प्रदीप रंगनाथन की पैन इंडिया ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास....

सिद्धार्थनगर
मंगलवार, 13 मई 2025
वर्ष: 12 अंक: 150 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/-रुपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

ऑपरेशन सिंदूर भारत की हर बेटी, बहन, मां के नाम

पीएम मोदी बोले– पाक में भारत के हमले से आतंक की इमारतें ही नहीं, उनका हौसला भी धर्रा गया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर को लेकर राष्ट्र को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि हम सभी ने पिछले कुछ दिनों में देश की सामर्थ्य और धैर्य को देखा है। मैं सशस्त्र बलों सेना, खुफिया एजेंसी और वैज्ञानिकों को सलाम करता हूं। उन्होंने कहा कि हमारे वीर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए असीम शौर्य का प्रदर्शन किया है। मैं उनकी वीरता, उनके साहस, उनके पराक्रम को आज हमारे देश की हर माता, बहन और बेटी को समर्पित करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने जो बर्बरता दिखाई उसने देश और दुनिया को हिलाकर रख दिया है। जो निर्दोष लोग छुट्टी मना रहे थे, उन्हें उनके परिवारों के सामने उनका धर्म पूछकर मार दिया गया। उन्होंने कहा कि हमने आतंकवादियों का सफाया करने के लिए भारतीय सेना को पूरी आजादी दी है और आज हर आतंकवादी, हर आतंकवादी संगठन जानता है कि हमारी बहनों बेटियों के माथे से सिन्दूर हटाने का अंजाम क्या होता है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमला आतंकवाद का सबसे बर्बर चेहरा था। यह मेरे लिए व्यक्तिगत

पीड़ा थी। हमने सशस्त्र बलों को आतंकवादियों को मिट्टी मिलाने की पूरी छूट दी। मोदी ने कहा कि इस आतंकी हमले के बाद सारा राष्ट्र, हर नागरिक, हर समाज, हर वर्ग, हर राजनीतिक दल एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए उठ खड़ा हुआ। हमने आतंकवादियों को मिट्टी में मिलाने के लिए देश की सेनाओं को खुली छूट दे दी। आज हर आतंकी, आतंक का हर संगठन जान चुका है कि हमारी बहनों–बेटियों के माथे से सिंदूर हटाने का अंजाम क्या होता है। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में आतंकवादी स्थलों पर हमला किया। आतंकवादियों ने सपने में भी नहीं सोचा होगा कि भारत इतना बड़ा कदम उठाएगा। जब भारतीय मिसाइलों और ड्रोनों ने पाकिस्तान में उन स्थलों पर हमला किया, तो न केवल आतंकवादियों की इमारतें नष्ट हुईं बल्कि उनके साहस को भी कुचला गया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ नाम नहीं है ये देश के कोटि–कोटि लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है। ऑपरेशन सिंदूर न्याय की अखंड प्रतिज्ञा है। 6 मई की देर रात 7 मई की सुबह पूरी दुनिया ने इस प्रतिज्ञा को परिणाम में बदलते देखा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमने पाकिस्तान के आतंकवादी और सैन्य ठिकानों पर अपने हमले रोक दिए हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की तैयारी सीमा पर वार की थी लेकिन भारत ने पाकिस्तान के सीने पर वार कर दिया।

विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा, फैंस का टूटा दिल

आखिरकार टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। कई दिनों से लगातार चल रही खबरों पर कोहली ने खुद सोशल मीडिया के जरिए जानकारी देकर विराम लगा दिया है। अब वह सफेद कपड़ों में टीम इंडिया के लिए खेलते हुए नहीं दिखेंगे। सोमवार की सुबह कोहली ने अचानक सोशल मीडिया के जरिए अपने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की जानकारी दी। हाल ही में रोहित शर्मा ने भी टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा था। जिस कारण भारतीय टीम को ये डबल झटका है। कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि, टेस्ट क्रिकेट में पहली बार बैगी ब्लू पहनकर खेले हुए 14 साल हो गए हैं। सच कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि ये फॉर्मेट मुझे ऐसी यात्रा पर ले जाएगा। इसने मुझे परखा, मुझे गढ़ा और ऐसे सबक सिखाए जो मैं जिंदगी भर अपने साथ रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलना कुछ बहुत ही व्यक्तिगत अनुभव जैसा होता है शांत संघर्ष, लंबे दिन, वे छोटे–छोटे पल जो कोई नहीं देखता लेकिन हमेशा के लिए दिल में बस जाते हैं।

पृथ्वी पर ऐसा कौन कर सकता है...

शशि थरूर ने विक्रम मिस्री के खिलाफ ऑनलाइन ट्रोल को किया खारिज

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम समझौते की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री को निशाना बनाए जाने की घटना के बाद कांग्रेस नेता शशि थरूर ने उनका पुरजोर बचाव किया है। थरूर ने मिस्री के खिलाफ ऑनलाइन हमलों को बेतुका करार दिया और इस अनुभवी राजदूत की प्रशंसा की कि उन्होंने हाल के भारत–पाकिस्तान संबंधों में सबसे तनावपूर्ण क्षणों में से एक को धैर्यपूर्वक और प्रभावी ढंग से संभाला। वहीं, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रविवार को केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि केंद्र सरकार सोशल मीडिया पर एक शीर्ष अधिकारी और उनके परिवार को लेकर कथित रूप से शर्मनाक,

आपत्तिजनक और बेहद दुर्भाग्यपूर्ण व्यक्तिगत हमले किये जाने के बावजूद चुप है। यादव ने कहा कि यह मामला सिर्फ व्यक्तिगत नहीं बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय है क्योंकि इस तरह के हमले देश के लिए अथक परिश्रम करने वाले ईमानदार अधिकारियों का मनोबल गिरा सकते हैं। यादव ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, निर्णय तो सरकार का होता है, किसी अधिकारी का नहीं। ये बेहद संवेदनशील, निंदनीय, शर्मनाक, आपत्तिजनक और दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि देश के एक बहुत बड़े अधिकारी और उनके परिवार के खिलाफ कुछ असामाजिक–आपराधिक तत्व सोशल मीडिया पर अपशब्दों की सारी सीमाएं तोड़ रहे हैं लेकिन उनके मान–सम्मान की रक्षा के लिए न तो भाजपा सरकार, न ही उनका कोई मंत्री सामने आकर ऐसी अवांछित पोस्ट करनेवालों के खिलाफ किसी कार्रवाई की बात कर रहा है। उन्होंने कहा, ऐसे पोस्ट और बयानों से दिन–रात एक करके देश के लिए समर्पित रहने वाले सत्यनिष्ठ अधिकारियों का मनोबल टूटता है। यादव ने एक खबर भी पोस्ट की, जिसमें विदेश सचिव विक्रम मिस्री और उनके परिवार के साथ दुर्व्यवहार किये जाने का जिक्र है।

दो करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

असम के श्रीभूमि जिले में दो करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किये गए हैं और मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने सोमवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 10,000 याबा गोलियां बरामद कीं। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर यह जानकारी साझा की और सक्रिय मादक

पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार करने में मिली सफलता के लिए जिला पुलिस को बधाई दी। याबा का थाई में अर्थ होता है मदहोश करने वाली दवा। यह देश में प्रतिबंधित है क्योंकि इसमें मेथामफेटामाइन (नियंत्रित पदार्थ अधिनियम के तहत अनुसूची–2 का पदार्थ) और कैफीन होता है।

पश्चिम बंगाल के नादिया जिले से चार बांग्लादेशी गिरफ्तार

पश्चिम बंगाल के नादिया जिले से सोमवार को चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बांग्लादेशियों के साथ एक सक्रिय भारतीय दलाल को भी गिरफ्तार किया गया। राणाघाट के पुलिस उपाधीक्षक सोमनाथ झा ने बताया

कि गिरफ्तारियां हंसखली पुलिस थाना क्षेत्र से की गईं। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान खुलासा हुआ कि वे करीब एक साल पहले उत्तर 24 परगना जिले की सीमा से घुसपैठ कर भारत में आए थे और चेन्नई तथा बेंगलुरु में विभिन्न स्थानों पर गए थे। झा ने बताया कि इन बांग्लादेशी नागरिकों को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वे बांग्लादेश लौट रहे थे।

भारतीय सेना ने आतंकियों को मिट्टी में मिलाया, संबित पात्रा ने ऑपरेशन सिंदूर बड़ी बात

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने ऑपरेशन सिंदूर के सफल क्रियान्वयन के लिए भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति आभार व्यक्त किया। प्रेस वार्ता में भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को नष्ट करने में भारत की निर्णायक कार्रवाई ने वैश्विक स्तर पर एक कड़ा संदेश दिया है। पात्रा ने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में संवाददाताओं को जानकारी देते हुए कहा कि 22 अप्रैल से 7 मई तक देश के भीतर तत्काल कार्रवाई की मांग उठ रही थी। संबित पात्रा ने कहा कि मैं एक भारतीय के तौर पर यह प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहा हूं। पिछले कुछ सालों में

भारत ने जिस तरह से आतंकवाद का खात्मा किया है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जिस तरह से भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया, उससे पूरी दुनिया में एक संदेश गया है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में एक निर्णायक संदेश। भारतीय सशस्त्र बलों ने अनुकरणीय साहस दिखाया है। भाजपा और पूरे भारत के सभी कार्यकर्ता हमारी सेना, वायुसेना और नौसेना और उन सभी बहादुर सैनिकों को धन्यवाद देते हैं जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता सुनिश्चित की। भाजपा सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पहलगाम हमले का बदला लेने का वादा किया था, जो दुश्मन की कल्पना से परे होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय सशस्त्र बलों ने उस वादे को पूरा किया। उन्होंने कहा कि पिछली सर्जिकल स्ट्राइक के बावजूद पाकिस्तान यह अनुमान लगाने में असमर्थ था कि इस बार उस पर कब और कैसे हमला होगा। पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री ने वादा किया था कि हम 26 लोगों की मौत का बदला लेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा था कि बदला दुश्मन की कल्पना से परे होगा और ऐसा ही हुआ। भाजपा सांसद ने कहा कि मिट्टी में मिलाएंगे और धूल के मारेंगे हमने वही किया। प्रधानमंत्री मोदी के फैसले और हमारे सशस्त्र बलों की बहादुरी ने सुनिश्चित किया कि आतंकी स्थल मलबे में तब्दील हो जाएं। 22 अप्रैल से 7 मई तक देश में तनाव का माहौल था, तत्काल कार्रवाई की मांग थी।

उमर अब्दुल्ला ने पुंछ के गोलाबारी प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

लोगों की सुरक्षा और भलाई हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने सोमवार को पुंछ जिले में पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित लोगों से मुलाकात की और इलाके में बंकर बनाने की जरूरत पर जोर दिया। बुधवार से अब तक पुंछ जिले में कुल 27 लोगों की मौत हुई है, जिसमें से 20 लोग घायल हुए हैं, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यह घटना भारत द्वारा 2 अप्रैल को पाकिस्तान पर हुए आतंकवादी हमले का बदला लेने के लिए पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों पर ऑपरेशन सिंदूर चलाए जाने के कुछ ही समय बाद हुई है। सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मैं यहां

केवल अपनी संवेदना, सहानुभूति और अपने प्रशासन का समर्थन देने आया हूं। किसी ने कोई मांग नहीं की है या कुछ भी नहीं कहा है। यह उनके परिवारों के लिए एक दुखद समय है। व्यक्तिगत रूप से यह हमारा कर्तव्य है कि इस इस जरूरत के समय में उनके साथ सहानुभूति रखने की कोशिश करें। युद्ध कभी भी उचित नहीं होता। इसमें कहा गया है कि हाल ही में सीमा पार से हुई गोलाबारी के बाद स्थिति का जायजा लेने के लिए आज सुबह पुंछ पहुंचा। मैं अपनी संवेदना व्यक्त करने के लिए उन परिवारों से मिलूंगा जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि बाद में, मैं जमीनी स्थिति का आकलन करने और युद्धविराम के बाद राहत और पुनर्वास उपायों की समीक्षा करने के लिए जिला प्रशासन के साथ बैठक करूंगा। हमारे लोगों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि उन्होंने पुंछ जिला अस्पताल में घायलों से भी मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। उन्होंने कहा, हाल ही में हुई गोलाबारी में घायल हुए लोगों के बारे में जानकारी लेने के लिए पुंछ जिला अस्पताल का दौरा किया।

वे और उनकी बहन तो आते ही नहीं...

विशेष संसद सत्र की मांग पर भाजपा ने कसा राहुल गांधी पर तंज

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के नेता राजीव चंद्रशेखर ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर संसद का विशेष सत्र बुलाने की लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मांग पर कटाक्ष किया। चंद्रशेखर ने कहा कि उन्हें समझ में नहीं आता कि राहुल गांधी संसद के विशेष सत्र की मांग क्यों कर रहे हैं, जबकि वे नियमित सत्रों में भी नहीं आते हैं। एएनआई के अनुसार चंद्रशेखर ने कहा, मुझे समझ में नहीं आता कि राहुल गांधी संसद का विशेष सत्र क्यों चाहते हैं, जबकि वे नियमित सत्रों में भी नहीं आते हैं। जब महत्वपूर्ण विधेयकों पर बहस हो रही होती है, तो वे और उनकी बहन संसद में नहीं आते हैं। चंद्रशेखर की टिप्पणी कांग्रेस की उस मांग के बाद आई है जिसमें उसने पाकिस्तान के खिलाफ भारत के ऑपरेशन

सिंदूर पर विस्तार से चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग की थी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पहलगाम में हुए विनाशकारी आतंकी हमले के बाद संसद के विशेष सत्र की मांग की थी, जिसमें 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे। 28 अप्रैल, 2025 को लिखे एक पत्र में उन्होंने लोगों के प्रतिनिधियों की एकता और दृढ़ संकल्प दिखाने के लिए एक विशेष सत्र की मांग की थी। कई अन्य विपक्षी नेताओं ने भी इस मांग को दोहराया है। 7 मई को शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद विपक्ष ने इस पर भी चर्चा करने का अनुरोध फिर से किया है। 11 मई, 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे एक पत्र में कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खड़गे ने विशेष संसद सत्र की मांग दोहराई। उन्होंने पत्र में लिखा, नवीनतम घटनाक्रम के मद्देनजर लोकसभा में विपक्ष के नेता ने आपको फिर से पत्र लिखकर सभी विपक्षी दलों के सर्वसम्मति से संसद के एक विशेष सत्र के लिए अनुरोध किया है, ताकि पहलगाम आतंकवाद, ऑपरेशन सिंदूर और पहले वाशिंगटन डीसी और बाद में भारत और पाकिस्तान सरकारों द्वारा की गई युद्ध विराम की घोषणाओं पर चर्चा की जा सके।

ऑपरेशन सिंदूर पर बोला भारत, हमारी लड़ाई आतंकवादियों के खिलाफ, पाकिस्तानी सेना के खिलाफ नहीं

ऑपरेशन सिंदूर को लेकर तीनों सेनाओं के DG ऑपरेशंस की प्रेस कॉन्फ्रेंस की। एयर मार्शल एके भारती ने कहा कि यह दुख की बात है कि पाकिस्तानी सेना ने हस्तक्षेप करने का फैसला किया और वह भी आतंकवादियों के लिए, और इसलिए हमने जवाब देने का फैसला किया। एयर मार्शल एके भारती ने कहा कि हमारी युद्ध–सिद्ध प्रणालियां समय की कसौटी पर खरी उतरी हैं और उनका डटकर मुकाबला करती हैं। एक और खास बात स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली, आकाश प्रणाली का शानदार प्रदर्शन रहा है। शक्तिशाली AD वातावरण को तैयार करना और उसे क्रियान्वित करना केवल पिछले दशक में भारत सरकार से मिले बजटीय

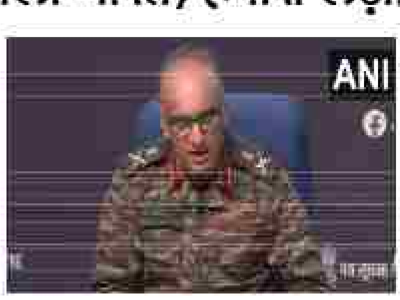

और नीतिगत समर्थन के कारण ही संभव हो पाया है। एयर मार्शल भारती ने कहा कि पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल किए गए ड्रोन और मानव रहित लड़ाकू हवाई वाहनों की कई कोशिशों को भी स्वदेशी रूप से विकसित सॉफ्ट और हार्ड किल काउंटर–यूएएस प्रणालियों और अच्छी तरह से प्रशिक्षित भारतीय वायु रक्षा कर्मियों द्वारा विफल कर दिया गया। डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में आतंकवादी गतिविधियों का चरित्र बदल गया है। निर्दोष नागरिकों पर हमले किए जा रहे थे। पहलगाम तक पाप का यह घड़ा भर चुका था। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि आतंकवादियों के खिलाफ हमारी लड़ाई है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान के चीनी मिसाइल को हमने मार गिराया। डीजी एयर ऑपरेशंस एयर मार्शल एके भारती ने कहा कि इससे मैं इस बात पर आता हूं कि पाकिस्तानी सेना के अथक प्रयासों के बावजूद भारतीय सेना ने देश में नागरिकों और सैन्य बुनियादी ढांचे को होने वाले नुकसान को कम से कम कैसे किया है। आप में से अधिकांश और देश के अधिकांश लोगों ने सशस्त्र बलों द्वारा स्थापित स्तरित और एकीकृत वायु रक्षा प्रणालियों के बारे में बहुत कुछ कहा है, जिसमें भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना की संपत्तियां शामिल हैं। इस मजबूत AD प्रणाली में बहु–स्तरित AD सेंसर और हथियार प्रणालियों की एक बड़ी विविधता शामिल है। डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि हमारे एयरफील्ड और लॉजिस्टिक्स को निशाना बनाना बहुत कठिन है। मैंने देखा कि विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया है, वह मेरे पसंदीदा खिलाड़ियों में से एक हैं। 1970 के दशक में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज के दौरान, दो ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने इंग्लैंड की बल्लेबाजी लाइनअप को नष्ट कर दिया, और तब ऑस्ट्रेलिया ने एक कहावत दी – राख से राख, धूल से धूल, अगर थॉमो तुम्हें नहीं पकड़ता, तो लिली तुम्हें पकड़ लेगी। अगर आप परतें देखें, तो आप समझ जाएंगे कि मैं क्या कहने की कोशिश कर रहा हूं। भले ही आप सभी परतों को पार कर लें इस ग्रिड सिस्टम की परतों में से एक आपको मार देगी।

लोकतंत्र की पहली शर्त है संवाद : मुख्यमंत्री

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लोकतंत्र की पहली शर्त है संवाद। संवाद के माध्यम से ही समस्याओं का निराकरण कर कारोबारी सुगमता (ईज ऑफ डूइंग बिजनेस) और जीवन सुगमता (ईज ऑफ लिविंग) के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। हम जनता को अधिक से अधिक सुविधाएं दे सकें, कॉमनमैन (आमजन) की अधिक से अधिक सुनवाई कर सकें यही लोकतंत्र की सफलता का मूल है। सीएम योगी सोमवार को सिविल लाइंस क्षेत्र में बने नागरीय सेवा केंद्र (अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर) और सीनियर सिटीजन डे केयर सेंटर का लोकार्पण करने के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

इन दोनों परियोजनाओं की कुल लागत 14.22 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में जनता को सिर्फ सामान्य नागरिक के तौर पर नहीं देखा जाता है बल्कि जनता जनार्दन कहकर संबोधित किया जाता है। हमें लोकतंत्र की इसी भावना को अंगीकार कर आगे बढ़ना होगा।

'देश की समृद्धि हम सबके जीवन का ध्येय होना चाहिए': मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बदलते वैश्विक परिवेश में भारत विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आजादी के अमृत वर्ष में इसने 200 वर्षों तक शासन करने वाले ब्रिटेन को पछाड़कर विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने का गौरव हासिल किया था और अब यह जापान को पीछे छोड़कर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। सीएम योगी ने कहा कि देश की समृद्धि हम सबके जीवन का ध्येय होना चाहिए। इसी भाव से उत्तर प्रदेश ने विगत आठ वर्षों से पीएम मोदी के मार्गदर्शन में नगरीकरण के विस्तार का अभियान प्रारंभ किया है।

पूर्वी यूपी के पांच करोड़ लोगों के जीवन का प्रमुख केंद्र है गोरखपुर: सीएम योगी ने कहा कि पहले गोरखपुर की स्थिति एक नगर पंचायत जैसी रही होगी। विकास यात्रा में अब नगर निगम के स्वरूप में इसकी गिनती प्रदेश के बड़े महानगरों में होती है। रोड, रेल, एयर कनेक्टिविटी, पर्यटन विकास, सफाई-स्वच्छता, वंचितों के लिए बेहतरीन सुविधाओं का विस्तार से उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का गोरखपुर पूर्वी उत्तर प्रदेश के पांच करोड़ लोगों के लिए शिक्षा, चिकित्सा, कारोबार और रोजगार का केंद्र है।

'सुविधा से बढ़ेगी कारोबारी सुगमता और जीवन सुगमता': मुख्यमंत्री ने सिविल लाइंस में बने अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर और सीनियर सिटीजन डे केयर सेंटर के लिए नगर निगम की तारीफ करते हुए कहा कि जब लोगों को नई सुविधाओं से आच्छादित करते हैं तो व्यापारियों के लिए कारोबारी सुगमता और आमजन के लिए जीवन सुगमता बढ़ती है। अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर से 18 वार्डों के लोगों को एक ही स्थान पर नगर निगम की सभी जरूरी सुविधाएं मिल जाएंगी तो सीनियर सिटीजन डे केयर सेंटर में बुजुर्गों को स्वास्थ्य, अध्ययन और मनोरंजन की भरपूर सहूलियत मिल जाएगी।

'बदलते गोरखपुर से जोड़ना होगा आमजन को': सीएम योगी ने कहा कि आज गोरखपुर बदल रहा है। बदलते गोरखपुर से आमजन को जोड़ना होगा। कोई भी बदलाव तभी सफल होता है जब आमजन उसे आंदोलन के रूप में लेता है। सुविधा कुछ लोगों तक सीमित रहने पर यह सफल नहीं होगी। नई व्यवस्था से जब आमजन जुड़ेगा तभी स्मार्ट सिटी की मंशा पूरी हो पाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बेहतर सफाई की स्थिति को बनाए रखने के लिए मोहल्ला सफाई समितियां बनाने, सड़क को आवागमन के लिए सुगम बनाने हेतु वेंडिंग जोन बनाने, दिन में स्ट्रीट लाइट न जलने देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इसमें नागरिकों को भी अपना दायित्व निभाना होगा।

'बरसात में जलजमाव न हो, नगर निगम अभी से करे तैयारी': कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने नगर निगम को मानसून से पहले आगाह भी किया। कहा कि बरसात में कहीं भी जलजमाव न होने पाए, इसके लिए नगर निगम अभी से तैयारी शुरू कर दे। सभी नाले-नालियों की सफाई और सिल्ट का निस्तारण समय रहते कर लिया जाए। प्लास्टिक पर प्रतिबंध को कड़ाई से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि पूर्व की तुलना में नगर में जलनिकासी की व्यवस्था मजबूत हुई है। अब यह शहर जलभराव होने के लिए नहीं जलनिकासी के लिए जाना जाता है। गोड़धोइया नाला परियोजना पूर्ण होते ही जलनिकासी की व्यवस्था और सुदृढ़ हो जाएगी। यह परियोजना टूरिज्म स्पॉट भी बनेगी। इस अवसर पर सीएम ने कर संग्रह में नगर निगम के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर सहायक नगर आयुक्त सहित कई कार्मिकों को प्रमाण पत्र और उपहार देकर सम्मानित भी किया।

'सीएम योगी के विजन से चमक रहा गोरखपुर : रविकिशन

लोकार्पण समारोह में सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि सीएम योगी के विजन से आज गोरखपुर विकास की नई आभा के साथ चमक रहा है। बुजुर्गों के लिए एक नगर निगम को शानदार डे केयर सेंटर बनाने की प्रेरणा देकर उन्होंने सभी वरिष्ठ नागरिकों का दिल जीत लिया है। सांसद ने कहा कि सीएम के मार्गदर्शन में बना अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर ग्रीन बिल्डिंग कॉन्सेप्ट का अद्भुत संगम है।

'सीएम योगी की प्रेरणा से आगे बढ़ रहा गोरखपुर नगर निगम :महापौर

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा कि सीएम योगी की प्रेरणा से गोरखपुर नगर निगम तेजी से विकास पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने नगर निगम की प्रमुख विकास परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि गोरखपुर में बना सीनियर सिटीजन डे केयर सेंटर बुजुर्गों के सम्मान और उनकी सेवा-सुविधा के लिए महत्वपूर्ण पहल है।

इस अवसर पर एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, विधायक फतेह बहादुर सिंह, विपिन सिंह, प्रदीप शुक्ल, राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी, पूर्व महापौर अंजू चौधरी, सत्या पांडेय, भाजपा के जिलाध्यक्ष जनार्दन तिवारी,महानगर अध्यक्ष देवेश श्रीवास्तव, नगर निगम के उप सभापति धर्मेंद्र चौहान, पार्षद अजय राय आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

नगरीय सेवा केंद्र और सीनियर सिटीजन डे केयर सेंटर का निरीक्षण किया सीएम ने: अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर (नगरीय सेवा केंद्र) और सीनियर सिटीजन डे केयर सेंटर का लोकार्पण करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दोनों के भवनों का निरीक्षण कर यहां उपलब्ध सुविधाओं-सेवाओं की जानकारी ली।

'आधुनिक सुविधाओं से लैस है अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर: सिविल लाइंस क्षेत्र में गोरखपुर क्लब के सामने बना तीन मंजिला अर्बन फैसिलिटेशन सेंटर आधुनिक सुविधाओं से लैस है। इसमें उन्नत अग्निशमन प्रणाली, कैफेटेरिया, लिफ्ट और पूर्ण एयर कंडीशनिंग शामिल हैं। यह केंद्र नागरिकों को नगर निगम की सेवाएं उनकी दहलीज पर प्रदान करने की दिशा में एक कड़ी पहल है।

यह सुविधा गोरखपुर नगर निगम के जोन-3 के अंतर्गत आने वाले सभी वार्डों के निवासियों के लिए एक वन-स्टॉप सॉल्यूशन के रूप में कार्य करेगी। यहां संपत्ति कर मूल्यांकन और भुगतान, सीवरेज सेवाएं, स्ट्रीट लाइट की मरम्मत, सड़क निर्माण व मरम्मत, जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं उपलब्ध होंगी।

'डे केयर सेंटर में बुजुर्गों के लिए विशेष सुविधाएं: गोरखपुर के पहले सीनियर सिटीजन डे केयर सेंटर को राज्य स्मार्ट सिटी योजना के अंतर्गत विकसित किया गया है। यह विशेष सुविधा उन बुजुर्गों के लिए तैयार की गई है जो अकेले रहते हैं। सीनियर सिटीजन डे केयर सेंटर वरिष्ठ नागरिकों के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए अनेक सुविधाएं प्रदान करेगा, जिनमें योग हॉल, इनडोर गेम्स, पुस्तकालय, कैफेटेरिया, नियमित स्वास्थ्य जांच, चिकित्सक परामर्श, फिजियोथेरेपी, जिम और धार्मिक पुस्तकों का संग्रह शामिल है।

यहां नियमित रूप से योग सत्रों का आयोजन किया जाएगा जिससे बुजुर्ग शारीरिक रूप से स्वस्थ और मानसिक रूप से सक्रिय बने रहें। अनुभवी फिजियोथेरेपिस्ट वृद्धजनों को शारीरिक समस्याओं में सहायता प्रदान करेंगे। साथ ही, परामर्श काउंटर के माध्यम से वरिष्ठ नागरिकों को केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

बैठक में छाया रहा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति का मुद्दा

बस्ती । सोमवार को सेवानिवृत्त कर्मचारी एवं पेंशनर एसोसिएशन की मासिक बैठक अध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय की अध्यक्षता में प्रेस क्लब सभागार में सम्पन्न हुई। बैठक में सेवा निवृत्त कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिये संघर्ष तेज किये जाने के साथ ही चिकित्सा प्रतिपूर्ति के निस्तारण का मामला छाया रहा।

जिलाध्यक्ष नरेन्द्र बहादुर उपाध्याय ने बैठक में कहा कि एसोसिएशन द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मांगों को पूरा कराने, समस्याओं का समाधान कराने की दिशा में निरन्तर पहल की जा रही है और अनेक मोर्चों पर सफलता मिली है। लम्बे संघर्ष के बाद अंततः जिला कोषागार में पेंशनर भुगतान पटल के लिपिक को हटना ही पड़ा। महामंत्री उदय प्रताप पाल ने कहा कि चिकित्सा प्रतिपूर्ति का समय से भुगतान न होने के कारण पेंशनरों को काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। बताया कि बैठक में निर्णय लिया गया कि जिन विभागों में विलम्ब किया जा रहा है उन्हें चिन्हित कर सम्बन्धित अधिकारियों से मिलकर समय से भुगतान कराये जाने का आग्रह किया जायेगा। इसके बाद भी यदि समस्या का समाधान न हुआ तो एसोसिएशन संघर्ष करने को बाध्य होगा।

एसोसिएशन की बैठक में आठवें वेतन आयोग में पेंशनरों को शामिल किये जाने, पुरानी पेंशन बहाली, रेल यात्रा में वरिष्ठ नागरिकों को छूट 65,70, 75 वर्ष की उम्र में पेंशनरों की क्रमशः 5, 10, 15 प्रतिशत बढ़ोत्तरी किये जाने आदि मुद्दों पर गंभीरता से विचार कर सरकार से सहयोग का आग्रह किया गया। यह जानकारी देते हुये मीडिया प्रभारी एल.के. पाण्डेय बैठक में श्रीनाथ मिश्र, सुनील कुमार पाण्डेय, ई. रामचन्द्र शुक्ल, ई. देवी प्रसाद शुक्ल, चन्द्र प्रकाश पाण्डेय, नरेन्द्रदेव मिश्र, प्रेमशंकर लाल श्रीवास्तव, रामनाथ, राधेश्याम तिवारी, श्यामधर सोनी आदि ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये।

मासिक बैठक में सुरेश धर दूबे, गणेशदत्त शुक्ल, मुनीश चन्द्र श्रीवास्तव, दिनेश चन्द्र पाण्डेय, राम कुमार पाल, अरूण कुमार पाण्डेय, जयनाथ सिंह, उमेश चन्द्र श्रीवास्तव, छोटेलाल यादव, सुभाष चन्द्र श्रीवास्तव, मनोज कुमार श्रीवास्तव, शीतल प्रसाद पाण्डेय, अंगिरा प्रसाद चौधरी, सुरेन्द्रनाथ उपाध्याय, राजाराम मिश्र, चन्द्र प्रकाश, सत्यनाम सिंह, त्रिभुवन प्रसाद, श्रीकान्त चतुर्वेदी, अरविन्द श्रीवास्तव, राम सुरेश पाण्डेय, नन्द कुमार मिश्र, गंगा प्रसाद पाण्डेय, राम पियारे, मेहीलाल, जंग बहादुर, राम नरेश चौधरी, दयाशंकर त्रिपाठी, ओम प्रकाश मिश्र, विजय कुमार, प्रेम प्रकाश मिश्र, रामचन्द्र, शारदा प्रसाद विश्वकर्मा, परमेश्वरी दयाल सिंह, राज देव यादव, डा. नरेन्द्र उपाध्याय, जोखू यादव, परशुराम, मनोज कुमार श्रीवास्तव, धर्म प्रकाश उपाध्याय, उदयशंकर चौधरी, अमरनाथ सिंह, अनिल कुमार पाण्डेय, दीनानाथ शुक्ल, शिव गोविन्द श्रीवास्तव, जयनाथ सिंह, विश्वम्भरनाथ सिंह, श्रीगोपाल त्रिपाठी, साधु शरन शुक्ल, गोविंदशंकर श्रीवास्तव, दिनेश कुमार श्रीवास्तव, ब्रम्हानन्द, जगदीश सिंह, मो. सलीम, सत्यनारायण चौधरी, पेशकार मिश्र, देवनारायण प्रजापति, केशव प्रसाद दूबे, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, सूर्य प्रकाश मिश्र, धर्मेन्द्र कुमार सिंह, राजेन्द्र प्रताप सिंह, नरेन्द्र प्रताप सिंह, विश्वनाथ, ओंकार गिरी, राधेश्यामलाल, घनश्यामलाल श्रीवास्तव, जग प्रसाद त्रिपाठी, हरिलाल यादव आदि शामिल रहे।

कार्यालय : ग्रा.पं.– सुखवारकला, वि.खं.– रुधौली, जनपद– बस्ती

पत्रांक: ग्रा०पं०/निविदा/सामग्री/2025–26

सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालिक निविदा आमंत्रण

ग्राम पंचायत सुखवारकला विकास खण्ड रुधौली बस्ती द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारन्टी योजना/राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त तथा अन्य सभी योजनान्तर्गत योजना वर्ष 2025–2026 में स्वीकृत तथा कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईंट, ईंट की गिट्टी, मसाला की गिट्टी, इन्टर लाकिंग ईंट, लोकल बालू, सीमेन्ट, मोरंग बालू, सरिया, पेन्ट, साइनेज, साइन बोर्ड, ह्यूम पाइप से सम्बंधित इत्यादि के आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्ता द्वारा दिनांक 13.05.2025 से 19.05.2025 तक अपरान्ह 2.00 बजे तक सामग्री आपूर्ति हेतु अपनी निविदा दर तथा वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत सुखवारकला के कार्यालय में निविदा बाक्स में डाली जायेगी। निविदा 19.05.2025 अपरान्ह चार बजे ग्राम पंचायत सुखवारकला में खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकतायें पूर्ण की जायेगी। धरोहर की राशि रु० 5,000.00 (पाँच हजार) होगी। निविदा प्रपत्र प्रत्येक कार्यालय दिवस में प्राप्त किया जा सकता है। **नियम व शर्तें:–** 1 जिस आपूर्तिकर्ता की दर सबसे कम होगी उसे ग्राम प० द्वारा कराये जाने वाले कार्य पर सामग्री आपूर्ति हेतु सूचित किया जायेगा। 2 आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर दाता हो, प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर रिटर्न/स्टेटमेंट संलग्न करना होगा। 3 ग्राम प्रधान/सचिव द्वारा नामित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में निर्धारित तिथि समय व स्थान पर टेण्डर खोला जायेगा। 4 सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत सुखवारकला की परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्यस्थल पर ही करनी होगी। 5 जो दरें प्रस्तुत की जाय वह GST तथा कार्टेज तथा अन्य जोड़कर प्रस्तुत की जाय। 6 सामग्री की आपूर्ति ग्रा० वि० अ०/सचिव एवं प्रधान के आदेश पर ही की जाय। 7 सामग्री की मात्रा यथा समय आवश्यकतानुसार घटाई व बढ़ाई जा सकती है। 8 प्रस्तुत दरें पी०डब्लू०डी० द्वारा स्वीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगी। 9 आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 10 ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधान, सचिव, सदस्य, बी०डी०ओ०, जिला पंचायत सदस्य, तकनीकी सहायक, ग्राम रोजगार सेवक, पंचायत सहायक आदि कर्मचारियों सगे सम्बंधी एवं रिश्तेदारों द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी इस आशय का नोटरी पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। 10.00 रु० शपथपत्र 11 सीमेन्ट की आपूर्ति हेतु सम्बंधित के पास डीलरशिप/एजेन्सी होना अनिवार्य है, अन्यथा की दशा में आपूर्तिकर्ता की आपूर्ति हेतु अथॉरिटी लेटर का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। 12 निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम प्रधान/सचिव को प्राप्त होगा। 13 स्वीकृत आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त ही किया जायेगा। 14 धरोहर की राशि नकद/राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ.डी.आर पत्र/एन.एस.सी./डाकघर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत सुखवारकला के नाम बन्धक कर जमा करना अनिवार्य है। 15 आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के 7 दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति करना अनिवार्य है। 16 निविदा फार्म ग्राम पंचायत सुखवारकला विकास खण्ड रुधौली बस्ती कार्यालय से प्राप्त कर जिसका मूल्य 500 रु० है निविदा फार्म पर ही निविदा स्वीकृत की जायेगी। 17 सामग्री आपूर्ति के सम्बंध में शर्तें व अन्य जानकारी किसी भी कार्य दिवस को ग्राम पंचायत सुखवारकला के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

ग्राम प्रधान
श्री चिखुरी
ग्रा.पं.- सुखवारकला,
वि.ख.- रुधौली, बस्ती

सचिव/ग्रा.वि.अ.
जगदीश कुमार यादव
ग्रा.पं.- सुखवारकला,
वि.ख.- रुधौली, बस्ती

बड़े मंगल पर नगर निगम की विशेष तैयारी: 348 भंडारे हुए पंजीकृत, महापौर व नगर आयुक्त के निर्देश पर मंदिरों का निरीक्षण

लखनऊ। बड़े मंगल के अवसर पर श्रद्धालुओं की भीड़ और सैकड़ों भंडारों के आयोजन को देखते हुए नगर निगम ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। महापौर सुषमा खर्कवाल और नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.के. श्रीवास्तव ने सोमवार को शहर के प्रमुख हनुमान मंदिरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जोन-3 के जोनल अधिकारी अमरजीत सिंह, जोनल सेनेटरी अधिकारी जितेंद्र गांधी, सेनेटरी व फूड इंस्पेक्टर सचिता मिश्रा व प्रमोद गौतम और कंट्रोल रूम टीम लीडर सुबोध मौजूद रहे। डॉ. श्रीवास्तव ने गुलाचीन मंदिर, बड़े हनुमान मंदिर और छोटे हनुमान मंदिर में सफाई व्यवस्था का जायजा लिया। कुछ स्थानों पर नालियों में सिल्ट और कूड़ा जमा मिला, जिस पर उन्होंने मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि सफाई कार्य अविलंब पूरा कराया जाए। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि जिन स्थानों पर भंडारे लगने हैं, वहां आयोजन से पहले और बाद में सफाई, कूड़ा निस्तारण और डस्टबिन की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाए। नगर निगम द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार अब तक शहर के आठों जोनों में कुल 348 भंडारों का पंजीकरण कॉल सेंटर और 'लखनऊ वन' ऐप के माध्यम से हो चुका है। अनुमान है कि बड़े मंगल के दिन शहर के कोने-कोने में भंडारे लगेंगे और भारी संख्या में श्रद्धालु दर्शन व प्रसाद ग्रहण करेंगे। नगर निगम ने जोनवार भंडारों की संख्या भी साझा की है। जोन-1 में 44, जोन-2 में 19, जोन-3 में 58, जोन-4 में 63, जोन-5 में 14, जोन-6 में 26, जोन-7 में सबसे अधिक 73 और जोन-8 में 51 भंडारे अब तक पंजीकृत किए जा चुके हैं। निगम की टीम हर जोन में तैनात रहेगी ताकि सफाई, कूड़ा उठान और पेयजल की व्यवस्था समय से सुनिश्चित की जा सके। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने श्रद्धालुओं और आयोजकों से अपील की है कि वे अपने भंडारे की जानकारी आयोजन से कम से कम 24 घंटे पूर्व कंट्रोल रूम नंबर 1533 पर कॉल कर या 'लखनऊ वन ऐप' के माध्यम से दें, जिससे नगर निगम की टीम समय पर सफाई व्यवस्था कर सके। इसके अतिरिक्त, जोन 1, 3, 4, 6 और 7 में स्वच्छ लखनऊ स्वच्छता अभियान (एलएसए) की टीम कार्यरत रहेगी। इन क्षेत्रों के आयोजक टोल फ्री नंबर 18001234999 पर भंडारे की सूचना दे सकते हैं। वहीं, जोन 2, 5 और 8 की सफाई व्यवस्था 'लायन इनवायरो' द्वारा संभाली जाएगी, और यहां के आयोजक टोल फ्री नंबर 18002026172 पर संपर्क कर पंजीकरण करा सकते हैं। नगर निगम का लक्ष्य है कि बड़े मंगल पर श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के पूजा-अर्चना व प्रसाद वितरण कर सकें और साथ ही शहर की स्वच्छता और व्यवस्था भी बनी रहे।

प्रमोद तिवारी ने आतंकवाद के खिलाफ केन्द्र सरकार और भारतीय सेना को पूर्ण समर्थन दिया, पाकिस्तान पर भरोसा न करने की दी सलाह

लखनऊ। राज्यसभा में उप नेता श्री प्रमोद तिवारी ने आतंकवाद के खिलाफ केन्द्र सरकार और भारतीय सेना को पूरा समर्थन देते हुए पाकिस्तान के प्रति भारत सरकार को सतर्क रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के निर्णयों पर सेना का हावी होना एक गंभीर स्थिति है और यह स्थिति भारत के लिए चिंता का कारण बनती है। श्री तिवारी ने कहा कि पाकिस्तान की सरकार इस समय कमजोर है और सेना के प्रभाव में है। इसलिए भारत को पाकिस्तान पर कतई भरोसा नहीं करना चाहिए, क्योंकि पाकिस्तान अब तक कई बार भारत को धोखा दे चुका है और विश्वासघात कर चुका है। श्री तिवारी ने शिमला समझौते का उल्लेख करते हुए कहा कि इस समझौते में यह तय हुआ था कि भारत और पाकिस्तान के बीच तीसरा पक्ष (देश) हस्तक्षेप नहीं करेगा। उन्होंने सवाल उठाया कि अमेरिका द्वारा युद्ध विराम की घोषणा किस आधार पर की जा रही है? अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा दोनों देशों के बीच युद्ध विराम की घोषणा और अमेरिकी उपराष्ट्रपति द्वारा यह दावा किया जाना कि उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री से बात की है, श्री तिवारी ने इसे शिमला समझौते का खुला उल्लंघन बताया इसके साथ ही, श्री तिवारी ने भारत के संविधान के अनुच्छेद-75 का हवाला देते हुए कहा कि मंत्रिमंडल सामूहिक रूप से संसद के प्रति उत्तरदायी होता है। उन्होंने कांग्रेस नेता श्री राहुल गांधी के आग्रह को स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से एक सर्वदलीय बैठक बुलाने की अपील की, ताकि भारत-पाकिस्तान के मौजूदा हालात पर चर्चा की जा सके और देश की एकजुटता दिखाई जा सके।

अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर महिलाओं की असुरक्षा का आरोप लगाया, कहा- उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार के शासन में महिलाओं की सुरक्षा सबसे बड़ा सवाल बन चुकी है और अपराधों की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार का 'जीरो टॉलरेंस' का दावा पूरी तरह से विफल साबित हो चुका है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में महिलाएं और किशोरियां सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं और यह बात प्रदेश में घटित हो रही घटनाओं से स्पष्ट है। पिछले दिनों मेरठ में चलती कार में दो किशोरियों के साथ गैंगरेप और इकौना थाना क्षेत्र में तिलक में जा रही बालिका का अपहरण जैसे मामलों ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं और बच्चियों के लिए प्रदेश को असुरक्षित बना दिया है और समाज में भय का माहौल पैदा कर दिया है। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश में दबंगों और अपराधियों का आतंक बढ़ा है और कानून व्यवस्था पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी है। समाजवादी पार्टी की सरकार में महिला सुरक्षा के लिए 1090 हेल्पलाइन और पुलिस सेवा के लिए डायल 100 की शुरुआत की गई थी, लेकिन भाजपा सरकार ने इन योजनाओं को भी खत्म कर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा सरकार के वादे खोखले साबित हुए हैं और उनके कार्यों में अंतर साफ दिख रहा है। आखिर में अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री का रवैया स्वयं हवा में उड़ गया है और अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई में जाति और धर्म के भेदभाव की भावना देखी जा रही है। उन्होंने दावा किया कि 2027 में प्रदेश की जनता भाजपा सरकार को सत्ता से हटा कर समाजवादी पार्टी की सरकार को चुनेगी, जो विकास और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध होगी।

महात्मा बुद्ध के अविस्मरणीय कथा प्रसंग

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ढाई हजार वर्ष पहले की बात है कि शाक्य नरेशों की राजधानी कपिल के राज–मार्ग पर एक जराजीर्ण वृद्ध चला जा रहा था। आयु की अधिकता ने उसकी कमर को झुका दिया था, नेत्रों की ज्योति को क्षीण कर दिया था, मुख को पोपला और पैरों को लड़खड़ा देने वाला बना दिया था। वह पेट की आग को बुझाने के लिये रोटी का एक टुकड़ा माँग रहा था, पर कुछ शरारती लड़के रोटी के बदले उसे ढेले और लकड़ी से मार रहे थे। इतने में एक राजकीय रथ चलते–चलते उसी स्थान पर रुक गया। उसमें बैठे हुए एक देवकांति पुरुष ने सारथी से पूछा कि यह कौन है? उसे मालूम हुआ कि किसी समय यह भी एक हृष्ट–पुष्ट, सुंदर पुरुष था, पर अब वृद्धावस्था के कारण उसकी यह दुर्दशा हो रही है। उसने फिर प्रश्न किया कि क्या प्रत्येक व्यक्ति की ऐसी ही दशा होगी? उत्तर मिला कि यह संसार का अनिवार्य नियम है, बहुत अधिक आयु हो जाने पर कोई भी इससे बच नहीं सकता। यह प्रश्नकर्ता और कोई नहीं स्वयं कपिलवस्तु के राजकुमार गौतम थे। उनको अभी तक जान–बूझकर राजमहलों के ऐसे वातावरण में रखा गया था कि दुःख, रोग, शोक, बुढ़ापा, मृत्यु आदि क्या होते हैं। इनका उन्हें कुछ पता ही न था। आज अकस्मात् इस जर्जरित वृद्ध को देख उनके हृदय में एक नवीन भाव का उदय हुआ और वे बिना किसी से कहे–सुने मानव–जीवन की समस्या पर विचार करने लगे। अभी तक वे संसार में सब व्यक्तियों को अपनी ही तरह स्वस्थ, सुखी और आमोद–प्रमोद में मग्न समझते थे, पर आज उनको विदित हुआ कि सभी सांसारिक सुख क्षणभंगुर हैं और यहाँ सुख के बजाय दुःख का परिमाण अधिक है। इस घटना के पश्चात् गौतम का जीवन–क्रम ही बदल गया। यद्यपि उनके पिता महाराज शुद्धोधन उनकी प्रवृत्ति को देखकर उन्हें राग–रंग और सुखोपभोग में भुलाये रखने की सब तरह से चेष्टा करते रहते थे, पर गौतम के चित्त में इस घटना के पश्चात् जो नया परिवर्तन हुआ वह दिन पर दिन सुदृढ़ होता गया और एक दिन आधी रात के समय वे राज–पाट, स्त्री–पुत्र सब कुछ त्याग कर संन्यासी बनकर निकल पड़े। उनका उद्देश्य था ऐसा मार्ग तलाश करना जिससे मनुष्यों को संसार के रोग–शोक से छुटकारा मिल सके। आरम्भ में तो उन्होंने तपस्या के प्रचलित मार्ग को ही अपनाया। वे पाँच अन्य साथियों को लेकर घोर जंगल में चले गये और एकान्त आश्रम में रहकर कठोर तपस्या करने लगे। इसके फल से उनका शरीर दिन–पर–दिन दुर्बल होने लगा, पर फिर भी हृदय में किसी प्रकार के ज्ञान का प्रकाश न जान पड़ा, अन्त में जब शारीरिक शक्ति अत्यन्त क्षीण हो गई और चलना–फिरना भी कठिन हो गया, तब उनको समझ में आया कि केवल कष्ट सहन करने से यह समस्या हल नहीं हो सकती। इसके लिए आवश्यकता है संसार की स्थिति और जीवन की समस्याओं पर शुद्ध भाव से विचार किया जाय और स्थिति तथा प्रवृत्ति में

सामञ्जस्य स्थापित करके ऐसे मध्यम मार्ग पर चला जाय जिससे सांसारिक लोगों में आसक्त न होकर सांसारिक कर्तव्यों का निस्पृहतापूर्वक पालन होता रहे। इस सिद्धान्त पर अच्छी तरह विचार करके उन्होंने अपने अनुयायियों के लिए यह उपदेश दिया– (१) संसार में जो कुछ भी दीख पड़ता है वह सब शीघ्र नष्ट हो जाने वाला है। (२) जो कुछ दीख पड़ता है उससे दुःख छिपा हुआ है। (३) जब सभी चीजें नष्ट होने वाली हैं, तब इनके फंदे में क्यों फँसा जाए? (४) तपस्या तथा उपवास द्वारा इनसे छुटकारा नहीं मिल सकता। छुटकारे की जड़ तो मन है। इसलिए धर्म का सीधा और सरल रास्ता यही है कि शुद्ध मन से कार्य करना, शुद्ध रूप से बोलना, शुद्ध विचार करना। इसके लिए आवश्यक है कि– (१) किसी प्रकार की हिंसा न की जाय। (२) चोरी, दुराचार, झूठ, दूसरों की निन्दा से बचा जाय। (३) दूसरे के दोष देखना, अमर्यादित भाषण करना, लालच करना, घृणा करना और अज्ञान से बचा जाय। इस प्रकार उपयोगी ज्ञान को समझ जाने पर उनका नाम बुद्ध (ज्ञानी) हो गया। उन्होंने लोगों को समझाया कि जो व्यक्ति इन नियमों का पालन करते हुए सबसे प्रेम–भाव रखेगा, राग–द्वेष से दूर रहेगा वह अपने जीवन–काल में शरीरान्त होने पर भी समस्त अशुभ परिणामों से दूर रहेगा। इस बात की कोई आवश्यकता नहीं कि मनुष्य जंगल में जाकर तपस्या करे और भूख–प्यास, सर्दी–गर्मी आदि का कष्ट सहे। मुख्य बात यह है कि अपने चित्त को सन्तुलित रखकर किसी से दुष्ट व्यवहार न किया जाए। सच्चा धार्मिक वही है जो हृदय से प्राणिमात्र के प्रति सद्भावना रखे और कल्याण–कामना करे। जो किसी से द्वेष न रखेगा, पीड़ितों और अभावग्रस्तों की सहायता से मुख मुख नहीं मोड़ेगा, दुर्गुणों से बचकर रहेगा उसे जीवन–मुक्त ही समझना चाहिए। मगध में कस्सप और सारिपुत्त नाम के दो अत्यन्त प्रसिद्ध साधु रहते थे, जिनमें से प्रत्येक के यहाँ पाँच सौ शिष्य रहते थे। बुद्ध ने उनको बतलाया कि जो तपस्या किसी प्रकार के फल की इच्छा रखकर की जाती है, उससे कामना का नाश नहीं होता और बिना कामना के मिटे चित्त को निर्मलता प्राप्त न हो सकेगी। उन्होंने बुद्ध जी के उपदेश की सच्चाई को अनुभव किया और अपने पाँच हजार चेलों सहित उनके अनुयायी बन गए। वहाँ से आगे चलकर जब राजा बिम्बिसार की राजधानी राजगृह में पहुँचे तो वहाँ भी उनका बड़े उत्साह से स्वागत किया गया। पर बिम्बिसार को इस बात पर विश्वास नहीं हुआ कि कस्सप जैसे वृद्ध महात्मा नवयुवक बुद्ध जी के शिष्य हो गये। इसकी जाँच करने के लिए उसने अपना एक दूत उनके पास भेजा तो कस्सप ने कहा– निर्मल अक्षय अनादि ज्ञान जिसने है पाया। उसी ज्योति– भगवान् बुद्ध को गुरु बनाया।। बुद्ध जी ने मनुष्यों को जिस स्वाभाविक धर्म का उपदेश दिया उसका आधार मुख्य रूप से मन की भावनाओं पर था। बाह्य आचरण को उन्होंने सदैव हीन कोटि का धर्म बतलाया, क्योंकि उसमें स्थिरता नहीं रहती और देश–काल के अनुसार वह बदलता रहता है। इसलिए वे किसी को शिष्य बनाने की दीक्षा देने में भी किसी प्रकार का आग्रह नहीं करते थे। जब सारिपुत्त तथा मौदगल्यायन जैसे प्रमुख भिक्षुओं ने उनसे प्रव्रजित करने की प्रार्थना की तो बुद्ध जी ने यही कहा कि आओ भिक्षुओ! धर्म तो स्पष्ट और सरल होता है। जब मनुष्य अनेक प्रकार की कामनाओं और इच्छाओं का त्याग कर, कल्याण भावनाओं से सीधी–सादी शिक्षाओं पर आचरण करने लगता है, तो उसे स्वयं ज्ञान की प्राप्ति हो जाती है और वह भव–बन्धनों से छुटकारा पा जाता है। जाति या कुल श्रेष्ठता का आधार नहीं– बाह्य धर्माचार के समान ही बुद्ध जी जाति या कुल को भी महत्व नहीं देते थे। एक बार जब भिक्षुओं के संघ में इस बात पर विवाद उत्पन्न हुआ कि प्रथम आसन, प्रथम भोजन का परोसा किसको दिया जाए, तो किसी ने क्षत्रिय, किसी ने ब्राह्मण, किसी ने वैश्य कुल से भिक्षु बनने वालों को प्रथम स्थान देने का सुझाव दिया। पर बुद्ध जी ने इसके अनुचित मान कर कहा कि भिक्षुओं! जाति या कुल के आधार पर किसी का सम्मान नहीं किया जाता। इसलिए जो जितना पहले प्रव्रजित हुआ है, वह उतना ही प्रमुख माना जाएगा, चाहे वह किसी भी जाति का हो। भगवान बुद्ध के इस स्वाभाविक और न्याय पर आधारित नियमों के कारण बौद्ध भिक्षु संघ की शक्ति बहुत बढ़ गई और उसमें से ऐसे परमार्थी और त्यागी भिक्षु निकले जिन्होंने समस्त भारत ही नहीं, दूर–दूर देशों में भी बौद्ध धर्म का डंका बजा दिया। आज भी उसका प्रभाव बहुत अंशों में दिखाई पड़ रहा है।

जाम की झाम से बढ़नी कस्बे के लोग हुए परेशान, घंटों लगता है जाम

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी। बढ़नी कस्बे में जाम की समस्या से आए दिन लोगों को परेशान होना पड़ता है,स्टेशन रोड पर बॉर्डर से लेकर बस स्टॉप तक ट्रकों एवं अन्य गाड़ियों की लंबी लाइन लग जाती है,जिससे कस्बे के लोगों को घंटों परेशान होना पड़ता है।स्टेशन रोड से लेकर बस स्टॉप तक एक समपार फाटक बना है जो बढ़नी स्टेशन पर ट्रेन की संख्या बढ़ने से अक्सर बंद रहता है जिसकी वजह से दोनों तरफ का रोड गाड़ियों की लंबी लाइन लग जाती है और पूरा सड़क जाम की हद में आ जाता है।कस्बे के शिवम् मिश्रा का कहना है यातायात व्यवस्था दुरुस्त न होने से लोगों को इस तरह की जाम की समस्या से दो चार होना पड़ता है।कस्बे के महेंद्र कश्यप का कहना है कि यह समस्या कस्बे की बड़ी समस्या है,कोई बाईपास न होने से लोगों को जाम के झाम से परेशान होना पड़ता है। अंकित का कहना है कि कई बार यहां के लोगों ने शिकायत किया है लेकिन प्रशासन की लापरवाही से लोगों को इस समस्या से निजात नहीं मिल पा रहा है। कस्बे के निवासी आदित्य गुप्ता ने बताया कि रेलवे समपार पर एक अंडर-पास की जरूरत है,जिसके बन जाने से काफी हद से इस समस्या से मुक्ति मिल सकता है।कस्बे के लोगों ने जाम की इस समस्या से निजात दिलाने की मांग की है।

नही रूक रहा अवैध मिट्टी खनन

दैनिक बुद्ध का संदेश

इटवा/सिद्धार्थ नगर। इटवा तहसील क्षेत्र के कठेला समय माता पुलिस थाना अंतर्गत विभिन्न गांव में धड़ल्ले से हो रहा मिट्टी खनन हलका सिपाही की मिली भगत से सरकारी राजस्व को लग रहा चूना। क्षेत्र कड़जहवा गांव के पास बिशुनपुर, कपियागौरा, सुहिया, रसूलपुर आदि गांव में लगातार मिट्टी खनन की शिकायत आम हो चुकी है बावजूद तहसील प्रशासन इस पर अंकुश लगाने में नाकाम साबित हो रहा है। सांझ होते ही खनन माफिया क्षेत्र के कई गांव में जेसीबी और लोडर के साथ दर्जनों ट्राली ट्रैक्टर के साथ सक्रिय हो जाते हैं जिससे ग्राम पंचायत की जमीन से लेकर क्षेत्र के तालाब तक अपना स्वरूप खोने को है। कई गांव में अवैध रूप से मिट्टी खनन हो रहा है। धड़ल्ले से हो रहे मिट्टी खनन में हल्का पुलिस और तहसील के कुछ कर्मियों की मिली भगत बताई जा रही है।सवाल यह है कि बिना परमिशन आखिर मिट्टी खनन कैसे हो रहा है। पिछले कई दिनों से हो रहा अवैध मिट्टी खनन रुकने का नाम ही नहीं ले रहा है आखिर किसके सह चल रहा ये अवैध मिट्टी खनन का धंधा शिकायत के बावजूद माफियाओं पर नहीं हो कार्यवाही। स्थानीय लोगों ने अवैध रूप से मिट्टी खनन पर रोक लगाने की मांग की है।

पारा 40 डिग्री पार... झुलसाने लगी गर्म हवा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले में इस साल गर्मी रिकार्ड तोड़ रही है, बृहस्पतिवार को अधिकतम पारा 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर ही रहा। इतना ही नहीं, इस साल यह पहला मौका है कि अप्रैल माह में इतनी गर्मी पड़ रही है। बृहस्पतिवार को शहर का अधिकतम तापमान 40.7 डिग्री व न्यूनतम तापमान 2 डिग्री बढ़कर 26.2 डिग्री पहुंच गया है। बृहस्पतिवार को दिन निकलते ही तेज चिलचिलाती धूप से लोगों को भारी परेशानी हुई। जिस कारण दोपहर के समय सड़कें सूनी हो गईं। इससे भी बुरा हाल बिजली की रुक–रुक कर कटौती होने से है। बृहस्पतिवार को सुबह से ही आसमान साफ था, और सुबह होते ही पारा 32 डिग्री पर पहुंच गया था। इसके बाद जैसे ही दोपहर 12 बजे शहर में पारा 40 डिग्री पर पहुंच जाने से लोगों को लू के थपेड़ों का सामना करना पड़ा। हवा ऐसी लग रही थी कि जैसे कि भट्ठी तप रही हो। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि आगे और भी तापमान में वृद्धि होगी। जबकि हवा में बदलाव हो सकता है।

शोहरतगढ़–रमवापुर खास में ग्रामीण प्रतिभा सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

सीडीओ ने 30 प्रतिभावान छात्रों प्रशस्ति पत्र, मेडल, डिक्शनरी और उपहार देकर को किया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। क्षेत्र के ग्राम पंचायत रमवापुर खास स्थित पंचायत भवन में सोमवार को राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन के तत्वावधान में ग्रामीण प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि सीडीओ ज्येष्ठ कुमार व विशिष्ट अतिथि जिलाध्यक्ष प्रधान संगठन डॉ पवन मिश्रा ने क्षेत्र के हाईस्कूल, इंटरमीडिएट तथा मेडिकल और इंजीनियरिंग में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले कुल तीस विद्यार्थियों को सम्मानित किया और नवनिर्मित कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) और लाइब्रेरी कक्ष का फीता काटकर उद्घाटन भी किया गया। मुख्य अतिथि सीडीओ ने मेधावी छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी आज हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। सही मार्गदर्शन और मेहनत से कोई भी मुकाम हासिल किया जा सकता है। उन्होंने

छात्र–छात्राओं से अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने को कहा। सीडीओ ने पंचायत भवन में नवनिर्मित कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) और लाइब्रेरी का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि ये सुविधाएं युवाओं को डिजिटल सेवाओं और शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच दिलाने में अहम भूमिका निभाएंगी। डॉ पवन मिश्रा ने कहा कि ग्रामीण इलाकों में असीम प्रतिभाएं हैं। सही मार्गदर्शन और पढ़ाई सुविधा मिलने पर वे आगे बढ़ सकते हैं। कार्यक्रम को एडीओ पंचायत रामविलास, निजाम अहमद, मुस्तन शेरुल्लाह, विजय बहादुर, चंदन गिरी, अब्दुर रहमान, फिरोज आलम, दीनानाथ यादव, पाटेश्वरी, अखिलेश कुमार, मेवा लाल आदि लोगों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम आयोजक ग्राम प्रधान रमवापुर खास व ब्लॉक अध्यक्ष जफर आलम ने क्षेत्र के डा. मोहम्मद जाहिद और डा. अनिकेत कुमार सहित बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले निधि चौधरी, मनीता, उजमा खातून, कमलेश चौधरी, आकाश यादव, आदित्य कुमार, अमित पटेल, अजीमुल्लाह, आमिर खान, दिव्या गुप्ता, शमा परवीन, चंदा, जोहरा परवीन, नंदनी जायसवाल, सोनम शर्मा, गरिमा चौधरी, सकीना बानो, अंजू यादव, राधिका यादव, चांदनी, सुजीत यादव, शुभम चौधरी, अलीमुद्दीन, रोहित यादव, आशीष यादव व करिश्मा चौधरी को सम्मानित करने में महती भूमिका निभाई। इस दौरान प्रधान संघ के जिलाध्यक्ष पवन मिश्रा, ब्लॉक अध्यक्ष जफर आलम, पूर्व प्रधान अब्दुर्रहमान, एडीओ पंचायत राम कैलाश, फिरोज आलम, मुस्तन शेरुल्लाह, अनिल मिश्रा, चन्द्र मोहन चौधरी, चन्दन गिरि, राजेश यादव, अमिरेश कुमार, राजेश चौरसिया और विजय बहादुर, निजाम अहमद आदि लोग मौजूद रहे।

जंक फूड बिगाड़ रही दांतों की सेहत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जंक फूड का अत्यधिक सेवन करने से दांतों की सेहत बिगड़ रही है। बच्चों में बीमारी लगने से दांत खराब हो रहे हैं। वहीं, इसका असर बड़े लोगों में भी दिख रहा है। मेडिकल कॉलेज के दंत रोग ओपीडी में रोजाना 40 से 45 मरीज पहुंच रहे हैं, जिसमें बच्चों की संख्या सबसे ज्यादा रहती है। जंक फूड पेट संबंधी रोगों के अलावा मोटापे का भी कारण बन रहा है। जंक फूड का चलन अत्यधिक बढ़ रहा है। बच्चे ही नहीं बड़े तक इसका खूब सेवन कर रहे हैं। फास्ट फूड का ज्यादा सेवन दांतों को ही नहीं, बल्कि आंत को नुकसान पहुंचा रहा है। डॉक्टर बताते हैं कि जंक फूड में कार्बोहाइड्रेड की मात्रा अधिक होती है और यह चिपकता भी ज्यादा है। दांतों में चिपककर यह लेक्टिक एसिड बनाता है, जिससे ब्लैक स्पॉट बनने के साथ दांत गलना शुरू हो जाते हैं। बच्चों के दांतों को बीमारी जल्द लगती है, क्योंकि वह दांतों की अच्छी तरह से सफाई नहीं कर पाते। डेंटल डॉ. लक्ष्मी सिंह बताती हैं कि जंक फूड खाने के बाद अच्छी तरह मुंह को साफ कर दांतों को सुरक्षित रखा जा सकता है। जंक फूड के सेवन से बच्चों के दांत कमजोर हो रहे हैं। ओपीडी में रोजाना 40 से 45 मरीज आ रहे हैं, जिनके दांत खराब मिलते हैं। इसके अलावा टॉफी, कुरकुरे, चॉकलेट आदि के अधिक सेवन से भी दांतों को नुकसान पहुंच रहा है।

फर्जी नसबंदी के आधार पर हुए निरस्त कृषि पट्टे की जमीन पर नगर पंचायत प्रशासन ने हटवाया अतिक्रमण

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। सोमवार को फर्जी नसबंदी के आधार पर हुए निरस्त कृषि पट्टे की जमीन पर नगर पंचायत प्रशासन ने आंशिक रूप से अतिक्रमण हटवाया दिया है। शेष अतिक्रमण को तहसील के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की मौजूदगी में हटवाने की बात कही है। बताते चलें जिलाधिकारी द्वारा फर्जी नसबंदी के आधार पर हुए कृषि पट्टे को निरस्त करने के बाद वह अपने मूल खाते यानी चौंदामार उर्फ शोहरतगढ़ के गाटा संख्या 150/530, रकबा 0.039 हे० बंजर खाते में चली गई जिस पर वर्तमान आधिपत्य अब शोहरतगढ़ नगर पंचायत का हो गया है और इस निरस्तीकरण आदेश को आधार बनाकर अध्यक्ष प्रतिनिधि रवि अग्रवाल ने तहसील कर्मियों की मौजूदगी में आंशिक रूप से अवैध अतिक्रमण हटवाया है। हालांकि मौके पर पट्टाधारक के पति ने अतिक्रमण हटा रहे कर्मी का विरोध किया लेकिन उनके द्वारा विधिक दस्तावेज न दिखा पाने के कारण नगर पंचायत कर्मी उपरोक्त भूमि पर अवैध अतिक्रमण हटाते नजर आये।

वर्ष 1993 में एसडीएम नौगढ़ के आदेश पर जारी हुआ था कृषि पट्टा, जिलाधिकारी ने किया था निरस्त

पहली बार दुनिया ने भारतीय सेना के पराक्रम को देखा है– सांसद

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। 22 अप्रैल को जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से भारत और पाकिस्तान के रिश्तों में तनाव बढ़ता गया। आतंकियों ने 26 भारतीय टूरिस्टों को उनके बच्चों एवं महिलाओं के सामने ही उनके सिंदूर को उजाड़ा दिया। जिस पर भारत ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर चलाया और खूंखार दहशतगर्दों को ढेर कर दिया। बौखलाई पाकिस्तानी सेना ने भारत पर हमले की तमाम कोशिशें कीं, लेकिन नाकाम रहे। जवाब में भारत ने पाकिस्तान को करारा जवाब दिया और उसके घर में घुसकर कई जख्म दिए। इसके बाद पड़ोसी को संघर्ष विराम के लिए गिड़गिड़ाना पड़ा। उक्त बातें डुमरियागंज सांसद जगदम्बिका पाल ने शोहरतगढ़ नगर पंचायत के हॉल में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहीं। साथ ही उन्होंने यह भी यह भी कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद संघर्ष विराम से पहले आतंकवाद के सवाल पर भारत ने पड़ोसी पाकिस्तान के लिए एक लक्ष्मण रेखा खींच दी। सीजफायर को स्वीकार करने से पहले भारत ने घोषित कर दिया कि अब भविष्य में देश के अंदर होने वाली एक भी आतंकी घटना को वह अपने खिलाफ युद्ध मानेगा। इसका सीधा अर्थ यह हुआ कि भविष्य में ऐसी आतंकी कार्रवाई के खिलाफ जवाबी सैन्य कार्रवाई के लिए भारत ने खुद को स्वतंत्र घोषित कर दिया है। इससे पहले भारत ने पाकिस्तान को कई जख्म दिए। पाकिस्तान के 9 हवाई ठिकानों पर हमारे हमलों के बाद पाकिस्तान को एहसास हो गया कि वे इस

संघर्ष में कहीं नहीं टिकने वाले हैं। भारत ने स्पष्ट संदेश दिया कि अब कुछ भी सुरक्षित नहीं है। यह नया दौर है और अब यही आन बात है। आगे पत्रकारों से से वार्ता करते हुए वह भी कहा कि आईएसआई से करीबी तौर पर जुड़े मुरीदके बहावलपुर के आतंकी शिविरों पर हमला करने के बाद भारत ने जो संदेश दिया है, वह यह है कि हमने अपनी नजरें बंद नहीं की हैं। हम आपको मुख्यालय में भी मार सकते हैं। अब हम छोटे शिविरों पर हमला नहीं करेंगे। भारत ने दुनिया को यह स्पष्ट कर दिया है कि आप पीड़ितों और गुनहगारों को एक चश्मे से नहीं देख सकते। भारत की जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान घबरा गया। पाकिस्तान में रहीमयार खान एयरबेस का रनवे को नुकसान पहुंचाया। चकलाला स्थित पाकिस्तानी वायुसेना बेस नूर खान पर भी बुरा हाल हुआ। दोनों देशों के बीच तकनीकी और सैन्य क्षमताओं के बीच बड़ा अंतर था। भारत और पाकिस्तान के बीच बहुत बड़ा अंतर था। पाकिस्तान को एहसास हो गया था कि वे उस श्रेणी में नहीं हैं। संघर्ष विराम के लिए भारत अपनी शर्तों पर तैयार हुआ। संघर्ष विराम के बीच सिंधु जल संधि का निलंबन जारी रहेगा। अन्य सभी पाबंदियां लागू रहेंगी। जो भी कदम उठाए गए थे, सभी लागू रहेंगे। आतंकवाद पर भारत की रुख और सख्त रहेगा। प्रेस कांफ्रेंस के दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि रवि अग्रवाल, सांसद प्रभारी सूर्य प्रकाश पाण्डेय, सच्चिदानंद पांडे, पद्माकर शुक्ला, संजय दूबे आदि मौजूद रहे।

भारतीय सैन्य पराक्रम सहित कई बिंदुओं को लेकर सांसद जगदंबिका पाल ने शोहरतगढ़ नगर पंचायत के मीटिंग हाल में किया प्रेस कॉन्फ्रेंस

सम्पादकीय

हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। वहीं यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद–हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर होगा। हालांकि, शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज फायर के अतिक्रमण ने बता दिया...

अपनी शर्तों पर ही शांति की पहल

पहलगाम आतंकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना–नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ऑपरेशन–सिंदूर की कामयाबी से बौखलाए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज फायर पर सहमति जतायी। साथ ही साफ किया कि भविष्य में कोई आतंकी घटना देश में होती है तो उसे युद्ध के तौर पर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा। सीज फायर के लिये प्रयास कर रहे अमेरिका को भी यह स्पष्ट कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर विपक्ष लगातार कहता रहा कि इस मामले में तीसरे देश की भूमिका कतई स्वीकार नहीं की जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति के कश्मीर में मध्यस्थता के कथन को भी सिरे से खारिज किया गया। उल्लेखनीय है कि न्यूयार्क टाइम्स की एक खबर के अनुसार प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ। पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। वहीं यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद–हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर होगा। हालांकि, शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समानांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत–पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

भगवान शंकर ने प्रकट होकर दिया यहां पर दर्शन

सृष्टि के उत्पत्तिकर्ता भगवान शिव हैं। 12 ज्योतिर्लिंगों की कथाएं विभिन्न स्थानों पर भगवान शिव के प्रकट होने से अनुस्यूत हैं। ऐसा विश्वास है कि इन स्थलों पर भगवान शिव ने स्वयं ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट होकर भक्तों को दर्शन दिए थे। इन ज्योतिर्लिंगों के दर्शन और पूजा से भक्तों को कई लाभ होते हैं, जैसे कि पापों का नाश, मोक्ष प्राप्ति, और शिव भक्ति का प्रसाद मिलता है। 12 ज्योतिर्लिंगों का इतिहास इस तरह है।

सोमनाथ ज्योतिर्लिंग: यह पहला ज्योतिर्लिंग है जो गुजरात के प्रभास क्षेत्र में स्थित है। यहीं चंद्रदेव ने तपस्या करके भगवान शिव को प्रसन्न किया था, जिससे उन्हें ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट होना पड़ा।

मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग: यह आंध्र प्रदेश के श्रीशैल पर्वत पर स्थित है। यह दक्षिण का कैलाश भी कहलाता है। यहीं भगवान शिव ने एक बार सती के साथ दर्शन दिए थे।

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग: यह मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित है। यह दक्षिणमुखी मंदिर है और हर दिन भस्म आरती की जाती है।

ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग: यह मध्य प्रदेश के नर्मदा नदी के किनारे स्थित है। यहीं भगवान शिव को ओंकार के रूप में पूजने की परम्परा है।

केदारनाथ ज्योतिर्लिंग: यह उत्तराखंड के हिमालय पर्वत पर स्थित है। यहीं भगवान शिव ने केदार नामक देवता के रूप में प्रकट होकर भक्तों को दर्शन दिए थे।

भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग: यह महाराष्ट्र के पुणे जिले में स्थित है। यहीं भगवान शिव ने भीमा नामक नदी के किनारे ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रकट हुए थे।

विश्वनाथ ज्योतिर्लिंग: यह उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित है। यहीं भगवान शिव ने विश्वनाथ के रूप में प्रकट होकर भक्तों को दर्शन दिए थे।

त्र्यम्बकेश्वर ज्योतिर्लिंग: यह महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित है। यहीं भगवान शिव ने त्र्यम्बक नामक देवता के रूप में प्रकट होकर भक्तों को दर्शन दिए थे।

वैद्यनाथ ज्योतिर्लिंग: यह झारखंड के देवघर में स्थित है। यहीं भगवान शिव ने वैद्यनाथ के रूप में प्रकट होकर भक्तों को दर्शन दिए थे।

नागेश्वर ज्योतिर्लिंग: यह गुजरात के द्वारका में स्थित है। यहीं भगवान शिव ने नागेश्वर के रूप में प्रकट होकर भक्तों को दर्शन दिए थे।

रामेश्वर ज्योतिर्लिंग: यह तमिलनाडु के रामेश्वरम में स्थित है। यहीं भगवान शिव ने रामेश्वर के रूप में प्रकट होकर भक्तों को दर्शन दिए थे।

घृष्णेश्वर ज्योतिर्लिंग: यह महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित है। यहीं भगवान शिव ने घृष्णेश्वर के रूप में प्रकट होकर भक्तों को दर्शन दिए थे। इन 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन और पूजा करने से भक्तों को कई लाभ होते हैं जैसे कि पापों का नाश, मोक्ष प्राप्ति, और शिव भक्ति का प्रसाद।

भगवान शिव के बारह ज्योतिर्लिंग देश के अलग–अलग भागों में स्थित हैं। इन्हें द्वादश ज्योतिर्लिंग के नाम से जाना जाता है। इन ज्योतिर्लिंग के दर्शन, पूजन, आराधना से भक्तों के जन्म–जन्मान्तर के सारे पाप समाप्त हो जाते हैं।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

जंग खत्म हो फिर भी वर्षों रोती है जिंदगी

कुछ दिन बाद इस लड़की के पिता की मृत्यु भी हो गई थी। इस लड़की ने कितनी मुश्किलों से अपने बच्चे को पाला, यह वह जानती है या उसके परिजन। उसके परिजन चाहते थे कि वह दोबारा विवाह कर ले। लेकिन उसने कहा, मेरे बच्चे का पिता तो पहले ही नहीं है। मैं शादी कर लूं, तो बच्चे की मां भी नहीं रहेगी। आज पांचवें दशक में भी उसका जीवन अनंत दुखों की गाथा है। ऐसी ही लाखों, करोड़ों स्त्रियां न केवल...

रमा शर्मा

टीवी स्क्रीन या मोबाइल स्क्रीन पर युद्ध कितना रोमांचक लगता है। ये मारा और वो मारा कहते हुए हम कितने खुश होते हैं। हमारे लिए जैसे युद्ध भी कोई वीडियो या मोबाइल गेम है। चैनल्स को लें तो वह टीआरपी बढ़ाने वाला और पैसा कमाने का साधन भी है। सुना गया था कि इस दौरान चैनल्स ने अपने यहां चलाए जाने वाले विज्ञापनों के दाम में भारी बढ़ोतरी की थी।

वर्ष 1965, 1971, 1999 और अब 2025 के युद्धों से आखिर हमें क्या मिला। सिवाय कोरे आश्वासनों के। इंदिरा जी को लोग इन दिनों बहुत याद कर रहे हैं। लेकिन 1971 में उन्हें भी तिरानवे हजार सैनिकों को वापस करना पड़ा था। आखिर इन सैनिकों को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार ही सुविधाएं देनी पड़ती हैं। इन युद्धों में जो लोग मारे गए थे, जिनके बारे में कहा गया था कि जब तक सूरज–चांद रहेगा, तब तक तेरा नाम रहेगा। शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले आदि बातें हमें कितने दिन याद रहीं। क्या चार–छह सैनिकों के नाम भी हमें याद हैं।

दरअसल तो लड़ाई में कोई हारे–जीते, इसका सबसे बड़ा प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है जिनके परिवार के सदस्य इसमें मारे जाते हैं। जिन माता–पिताओं के जवान बच्चे युद्ध में मारे जाते हैं वे माता–पिता, पत्नी, बच्चे परिजन जीवन भर इस दुख को भोगने के लिए अभिशप्त रहते हैं। वह सैनिक हेमराज तो याद ही होगा जिसका सिर पाकिस्तान द्वारा काट लिया गया था। उस समय लोगों ने उसकी पत्नी के प्रति बहुत सहानुभूति प्रकट की थी। लेकिन बाद में पता चला था कि वह महिला वर्षों तक मुआवजे के लिए दर–दर भटकती रही थी। ऐसा ही न जाने कितने परिवारों के साथ होता होगा। न जाने कितने लोग मरते हैं और न जाने कितने बुरी तरह से घायल होते हैं।

औरतें और बच्चे आज से ही नहीं, हमेशा से युद्धों का सबसे बुरा शिकार होते रहे हैं। आक्रांता जब आते थे, तो या तो महिलाओं को साथ उठा ले जाते थे या उनके साथ बलात्कार करके उन्हें मार दिया जाता था। बच्चों की हत्या कर दी जाती थी, क्योंकि जिन पर आक्रमण करने आए हैं उनका समूल नाश करना होता था। औरतें शायद ही किसी पर युद्ध थोपती हैं, मगर उन पर हमेशा युद्ध थोप दिया जाता है। चार दिन की इस लड़ाई में कहा जा रहा है कि इसमें दो सौ के करीब लोग मारे गए हैं। जिनमें सैनिक तो हैं ही, आम नागरिक और बच्चे भी शामिल हैं। इन नागरिकों ने, बच्चों ने यहां तक कि सैनिकों ने किसी लड़ाई को दावत नहीं दी थी। कुछ दिन पहले एक वीडियो देख रही थी, जिसमें एक पत्नी दो दिन पहले हुई शादी के बाद पति को मोर्चे पर भेजने से पहले कह रही थी–अपना सिंदूर भेज रही हूं। उसके चेहरे पर छाई उदासी और शून्य में देखती आंखें बहुत कुछ कह रही थीं। हकीकत फिल्म जो चीन के साथ युद्ध पर बनी थी उसका गाना याद आता है कि हो के मजबूर मुझे उसने भुलाया होगा। यह गाना ऐसा है कि सुनते–सुनते रोना आ जाता है। इसे युद्ध के वक्त बर्फ में फंसे सैनिक गा रहे हैं और अपनी–अपनी पत्नियों के बारे में सोच रहे हैं। इसके विभिन्न शाट्स में उन सैनिकों की पत्नियों के हालात का वर्णन था। देवानंद, साधना द्वारा अभिनीत फिल्म हम दोनों का बड़ा हिस्सा भी इसी थीम पर है। जहां पति युद्ध में एक पांव गंवाकर आता है। उसे भरोसा नहीं है कि पत्नी उसे अपना लेगी। चार दिन चली इस लड़ाई में राजस्थान की सत्ताईस साल की किरण शेखावत युद्ध के मैदान में पहली शहीद होने वाली महिला सैन्य अधिकारी हैं। इसका खून से लथपथ शरीर देखकर रोंगटे खड़े हो गए थे। मदर्स डे पर उस महिला के बारे में भी छपा है, जिसने पति की मृत्यु के बाद अपने बेटे को तमाम तरह के कष्ट झेलकर पाला। वह भी इस युद्ध में मारा गया। अब वह नितांत अकेली है। 1999 की करगिल लड़ाई के वक्त शहीद अनुज नैय्यर के पिता का बयान ऐसा था कि उसने हिला दिया था। उन्होंने कहा था कि लड़ाइयों में कोई नेता नहीं मारा जाता। इसी लड़ाई में एक और महिला हेमलता का बेटा मारा गया था। उन्हें बदले में सरकार ने पेट्रोल पंप देना चाहा था। लेकिन उन्होंने उसे लेने से साफ मना कर दिया था। यहां एक आपबीती भी शामिल करना चाहती हूं। सगे मामा की लड़की के पति को विवाह के मात्र पांच महीने बाद ही कश्मीर में आतंकवादियों ने मार दिया था। वह लड़का भी सैन्य अधिकारी था। उसके पिता भी वरिष्ठ सैन्य अधिकारी रहे थे। कुछ दिन बाद इस लड़की के पिता की मृत्यु भी हो गई थी। इस लड़की ने कितनी मुश्किलों से अपने बच्चे को पाला, यह वह जानती है या उसके परिजन। उसके परिजन चाहते थे कि वह दोबारा विवाह कर ले। लेकिन उसने कहा, मेरे बच्चे का पिता तो पहले ही नहीं है। मैं शादी कर लूं, तो बच्चे की मां भी नहीं रहेगी। आज पांचवें दशक में भी उसका जीवन अनंत दुखों की गाथा है। ऐसी ही लाखों, करोड़ों स्त्रियां न केवल भारत, बल्कि दुनियाभर में मौजूद हैं।

आतंक पर पाक को कड़ी चेतावनी देते रणनीतिक बदलाव

पंचम, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के लिए भी एक संदेश है। आतंकवाद को शह–मदद करने वाले पाकिस्तान को जवाबदेह ठहराने में संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्थाओं की अक्षमता को लेकर भारत में निराशा है। बेशक, भारत के लिए अंतर्राष्ट्रीय जनमत और कूटनीतिक समर्थन जुटाना अहम है किंतु पाकिस्तान के आतंकवाद का जवाब देने में, भारत के लिए विकल्पों ...

ले.जन. डीएस हुड्डा (से.नि.)

छह–सात मई की रात भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे के खिलाफ शृंखलाबद्ध सैन्य हमले किए गए। नौ आतंकी शिविरों को निशाना बनाया, जिनमें से पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में और चार उसके पंजाब प्रांत में थे। सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में मुरीदके और बहावलपुर रहे। लाहौर के नजदीक मुरीदके लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) और उसके प्रमुख संगठन जमात–उद–दावा का मुख्यालय है। द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), जिसने पहलगाम नरसंहार की जिम्मेदारी ली, एलईटी से संबंधित बताया जाता है। बहावलपुर जैश–ए–मोहम्मद का गढ़ है। इसके बाद दो दिन और यह ऑपरेशन चला जिसमें दोनों ओर से सीमा पर गोलाबारी हुई। भारत ने दुश्मन के कई शहरों पर मिसाइलें गिराईं वहीं पाक की ओर से भी ऐसी कोशिशें हुईं। अब 10 मई को सीजफायर का ऐलान हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर 2016 और 2019 में सीमा पार किए गए सैन्य हमलों की तुलना में दृ पैमाने और दायरे में दृ काफी बड़ा रहा। इसका संदेश कहीं अधिक तगड़ा और स्पष्ट है। जिसमें पाकिस्तान से निबटने के लिए भारत की भविष्य की रणनीति में किए गए कुछ महत्वपूर्ण बदलाव झलकते हैं।

प्रथम, बड़े आतंकी हमलों का दंडात्मक प्रतिकर्म होगा। चूंकि 2016 और 2019 के सीमित हमले पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को एक औजार की भांति इस्तेमाल किए जाने वाली अपनी राष्ट्रीय नीति त्यागने में असरदार नहीं रहे, इसलिए उन लोगों को दर्द महसूस करवाना जरूरी बन गया, जो आतंकवादी करतूतों को नियंत्रित कर रहे हैं। यदि पाकिस्तानी सेना आतंकवादी नेतृत्व पर लगाम लगाने को तैयार नहीं, तो भारत सैन्य संसाधन का उपयोग करके ऐसा करेगा।

भारत ने रणनीतिक और सामरिक कारणों से लंबे समय तक संयम मुद्रा अपनाए रखी। हालांकि, बदलते सुरक्षा परिवेश, विशेषतया पहलगाम हमले ने पुनर्संतुलन में उत्प्रेरक का काम किया। 6–7 मई की रात बहावलपुर और मुरीदके जैसी अंदरूनी जगहों को निशाना बनाना संकेत है कि भारत अब सरसरी जवाबी कार्रवाई पर्याप्त नहीं मानता। नया दृष्टिकोण सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों के लिए लागत–लाभ वाली गणना बदलने का प्रयास करता है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार के प्रवक्ता द्वारा दी गई प्रस्तुति में, सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद से हुई क्षति को रेखांकित करने के वास्ते पिछले आतंकी हमलों (2001 में संसद पर हमले से लेकर मुंबई 2008, उड़ी 2016, पुलवामा 2019 और पहलगाम हमलों) का लेखा–जोखा दिखाया गया, जिसके अंत में 'अब और नहीं' स्क्रीन पर चमका। भले ही यह प्रस्तुति नाटकीय दिखाई दे, लेकिन यह भारत के संकल्प को रेखांकित करती है कि वह पाकिस्तानी धरती से निकल रहे आतंकवाद को और बर्दाश्त नहीं करेगा। द्वितीय, सीजफायर के बाद पाकिस्तानी सेना के सामने दो विकल्प हैं। या तो वह स्वयं द्वारा लंबे समय से पोषित सैन्य–जिहाद परिसर को खत्म करे या फिर देश को भारत के साथ विनाशकारी संघर्ष में डुबाने का जोखिम उठाए। जो पाकिस्तान को और अधिक अस्थिरता और संकट में धकेल सकता है। दशकों से, पाकिस्तानी सेना ने जिहादी समूहों को अपनी रणनीतिक संपत्ति के रूप में माना है, उनका उपयोग भारत को जख्म देने के लिए किया जाता है, जबकि आधिकारिक रूप से इनकार करता है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने स्पष्ट किया कि राज्य और उसके द्वारा प्रायोजित छद्म सरूपों के बीच कोई अंतर नहीं है। पाकिस्तान में कई अंदरूनी जगहों को निशाना बनाकर भारत ने संकेत दे दिया है कि सुरक्षित पनाहगाहें भी अब उतनी सुरक्षित नहीं रहीं। प्रेस ब्रीफिंग में 6–7 मई की कार्रवाई पर विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि भारत की कार्रवाई नपी–तुली, चीजों को और आगे न भड़काने वाली, अनुपातिक और जिम्मेदाराना थी। इसके निशाने का केंद्र आतंकवादी ढांचे को नष्ट करना और भारत में भेजे जाने वाले आतंकवादियों को निष्क्रिय करना था। यह पाकिस्तान के लिए संदेश था कि अगर वह किसी भी सैन्य जवाबी कार्रवाई से परहेज करे और आतंकवादी गतिविधियों पर लगाम लगाने के दीर्घकालीन उपाय करे तो बढ़ते तनाव को नियंत्रित किया जा सकता है। हालांकि पाकिस्तानी सेना ने प्रतिक्रिया में युद्ध जैसे हालात रचे, जिसका भारतीय सेना ने माकूल जवाब दिया। तृतीय, भारत इस बारे स्पष्ट है कि परमाणु युद्ध की नौबत बनने से जरा पहले तक, सीमित पारंपरिक संघर्ष के वास्ते गुंजाइश मौजूद है। जब भी भारत–पाकिस्तान संकट बनता है, तो पाकिस्तान सबसे पहले अपना परमाणु कार्ड लहराने लग जाता है। मंत्री हनीफ अब्बासी ने कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को निलंबित करके पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति रोकता है, तो इस्लामाबाद परमाणु हथियारों से हमला करने को तैयार रहेगा। पाकिस्तान के राजदूत ने भी ऐसी धमकी दी। पाकिस्तान की परमाणु ब्लैकमेलिंग से भारत अब खुद को बंधक नहीं मानता। पारंपरिक बलों के इस्तेमाल के जरिए पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकी ढांचे को निशाना बनाने में वाले तौर–तरीके में धीरे–धीरे बदलाव आया है। ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तानी पंजाब समेत कई आतंकी गढ़ों पर धावा बोलने में हवाई हमले की उपयोगिता के रूप में नया मानक स्थापित हुआ है। चतुर्थ, भारत में हुए आतंकी हमलों के तार पाकिस्तान से जोड़ने वाले प्रत्यक्ष सबूत उपलब्ध करवाने की कुछ अंतर्राष्ट्रीय हलकों की मांग अब जाती रही है। भारत दशकों से पाक प्रायोजित आतंकवाद का शिकार रहा है और जब भी वह कहता है कि आतंकवाद का स्रोत पाकिस्तान है, तो वह बात सही है। समस्या यहां हमले करने वाले की नहीं, बल्कि पाकिस्तान में बैठे आतंकवादी और उस सैन्य नेतृत्व की है, जो आतंकवाद को पाल–पोस रहे हैं।

इंग्लैंड दौरे पर टीम इंडिया के साथ जाएंगे शार्दुल ठाकुर? सरफराज खान की जगह मिल सकता है मौका

इंडिया-इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से खेली जाएगी और इसके लिए टीम इंडिया का ऐलान 23 मई को किया जा सकता है। क्रिकबज के मुताबिक भारतीय टेस्ट टीम में शार्दुल ठाकुर को मौका दिया जा सकता है। जबकि सरफराज खान का पत्ता कट सकता है।

इसके अलावा भारत ए टीम को इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भी अनाधिकारिक टेस्ट सीरीज खेलना है। क्रिकबज के मुताबिक रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से सन्यास की घोषणा करने से एक दिन पहले 6 मई को मुंबई के क्रिकेट सेंटर में चयनकर्ताओं की एक बैठक हुई थी और चयनकर्ताओं ने उस दिन भारत ए टीम के चयन को अंतिम रूप दे दिया था। 13 मई को इसकी घोषणा होने की उम्मीद है, जिसमें अभिमन्यु ईश्वरन कप्तानी के लिए प्रमुख उम्मीदवार हैं। हालांकि, इंडिया ए टीम में कुछ बदलाव किए जा सकते हैं।

भारत ए को तीन मैच खेलने हैं- दो इंग्लैंड लायंस के खिलाफ और एक सीनियर इंडिया टीम के खिलाफ। नए कप्तान के साथ सीनियर इंडिया टीम का चयन 23 मई को होने की उम्मीद है। भारत ए टीम का चयन करना चयनकर्ताओं के लिए आसान नहीं है, क्योंकि आईपीएल के स्थगित होने से समस्याएं और भी बढ़ गई हैं। भारतीय गैर-आईपीएल खिलाड़ी और उन टीमों के खिलाड़ी शामिल हों जो पहले मैच के लिए आईपीएल प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने की उम्मीद है और दूसरे-तीसरे मैच के लिए इंग्लैंड में उनके साथ और भी खिलाड़ी शामिल हो सकते हैं।

अभिमन्यु ईश्वरन के अलावा इंडिया ए की शुरुआती टीम में चयन के लिए तनुष कोटियन, बाबा इंद्रजीत, आकाश दीप, करुण नायर जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। ध्रुव जुरैल और नितीश रेड्डी शुरू में ए टीम का हिस्सा होंगे और बाद में उन्हें सीनियर टीम में शामिल किया जाएगा। शार्दुल ठाकुर का सीनियर टीम में शामिल होना तय है। इस बारे में कोई पक्की जानकारी नहीं है कि ईशान किशन पर विचार किया जाएगा या नहीं। 2023-24 रणजी ट्रॉफी सीजन के टॉप स्कोरर आंध्र प्रदेश के रिकी भुई के भी इंडिया ए टीम में चुने जाने की संभावना कम है।

डोनाल्ड ट्रंप को कतर की ओर से गिफ्ट में मिलेगा लग्जरी जेट, 400 मिलियन डॉलर है किमत

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सप्ताह कतर के दौरे पर रहेंगे। इस बीच चर्चा हो रही है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को कतर के शासक परिवार की ओर से बेहद महंगा और शानदार गिफ्ट मिल सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति को गिफ्ट में लग्जरी बोइंग 747-8 जंबो जेट दिया जा सकता है। ये लग्जरी बोइंग 747-8 जंबो जेट का इस्तेमाल डोनाल्ड ट्रंप अपने आधिकारिक एयरफोर्स विमान वन की जगह करेंगे। कतर सरकार ने बताया है कि विमान के हस्तांतरण को लेकर चर्चा हो रही है। लग्जरी बोइंग 747-8 जंबो जेट को गिफ्ट के तौर पर दिए जाने की खबर से कतर सरकार ने इंकार किया है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जनवरी 2029 तक अपने पद पर रहने वाले हैं। अपना पद छोड़ने से पहले तक कतर के जंबो जेट विमान का वो इस्तेमाल करेंगे जो कि राष्ट्रपति विमान के तौर पर होगा। इसके बाद ये जंबो जेट उस फाउंडेशन को सौंपा जाएगा जो अबतक राष्ट्रपति पुस्तकालय की देखरेख करता है। संभावना जताई गई है कि ट्रंप की कतर यात्रा के दौरान इस गिफ्ट को दिए जाने की घोषणा हो सकती है। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप जल्द ही कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का दौरा कर सकते हैं। उनके दूसरे कार्यकाल के दौरान ट्रंप की ये पहली विदेश यात्रा होगी।

कतर ने किया खंडन

डोनाल्ड ट्रंप को जेट गिफ्ट किए जाने की अफवाह के बीच कतर मीडिया का बयान भी सामने आया है। कतर मीडिया अताशे अली अल-अंसारी ने ने खबरों का खंडन किया है। इस संबंध में बयान जारी कहा स्पष्ट किया गया कि विमान के संभावित हस्तांतरण को लेकर डा मंत्रालय और अमेरिकी रक्षा विभाग चर्चा कर रहा है। इस मामले में कानूनी विभागों द्वारा समीक्षा की जानी है। अबतक कोई फाइनल फैसला नहीं लिया गया है। जानें क्या ट्रंप स्वीकार कर सकते हैं गिफ्ट या नहीं। अमेरिकी संविधान की मानें तो सरकारी पद पर आसनी व्यक्ति अमेरिकी कांग्रेस की सहमति के बिना किसी राजा, राजकुमार या विदेशी राज्य से वेतन, गिफ्ट, पद या उपाधि स्वीकार नहीं कर सकता है। अमेरिकी संविधान का इमोल्युमेंट्स क्लॉज ऐसा करने से रोकता है। अमेरिकी लॉ विशेषज्ञ ने मीडिया को बताया कि डोनाल्ड ट्रंप का कहना है कि वो जांच से बच सकते हैं मगर ये हैरान करने वाला कदम है।

विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट रिकॉर्ड्स, जिन्हें तोड़ पाना हर किसी के लिए असंभव

टीम इंडिया के दिग्गज विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। 14 साल तक टेस्ट क्रिकेट में अपनी बादशाहत कायम करने वाले कोहली ने 12 मई 2025 को इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, बेहतरीन कप्तानी और विपक्षी टीम से जीत छीनने की काबिलियत के लिए मशहूर कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में कई ऐसे रिकॉर्ड बनाए, जिन्हें तोड़ना भविष्य में किसी भी खिलाड़ी के लिए बेहद मुश्किल होगा।

सफल टेस्ट कप्तान

कोहली ने भारत की टेस्ट टीम की कमान संभालते हुए 68 मैचों में कप्तानी की और इस दौरान 40 बार टीम को जीत दिलाई। उनके नेतृत्व में भारत को सिर्फ 17 मैचों में हार झेलनी पड़ी। ये रिकॉर्ड उन्हें भारत का सबसे सफल टेस्ट कप्तान बनाता है। उनसे पहले एमएस धोनी ने 60 टेस्ट मैचों में 27 जीत हासिल की थी। कोहली का ये रिकॉर्ड इतना मजबूत है कि इसे तोड़ना किसी भी नए कप्तान के लिए एक बड़ी चुनौती होगा।

टेस्ट में सबसे ज्यादा दोहरे शतक जड़े

इसके अलावा विराट कोहली ने अपने टेस्ट करियर में 123 मैचों की 210 पारियों में 9,230 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 7 दोहरे शतक निकले, जो किसी भारतीय टेस्ट कप्तान द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। खास बात ये है कि अपने करियर के पहले पांच सालों में कोहली ने एक भी दोहरा शतक नहीं लगाया था, लेकिन 2016 के बाद उन्होंने इस मामले में रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। 7 दोहरे शतक के साथ वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले एकलौते भारतीय टेस्ट कप्तान हैं। ये रिकॉर्ड भी उनके टेस्ट करियर की सबसे बड़ी पहचान बन गया है, जिसे भविष्य में तोड़ना आसान नहीं होगा।

विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में अपनी कप्तानी से एक नया इतिहास भी रचा था। उन्होंने भारतीय टीम की कमान 68 टेस्ट मैचों में संभाली जो किसी भी भारतीय कप्तान के द्वारा सबसे ज्यादा है। इस दौरान टीम इंडिया ने 40 मैच जीते, 17 हार और 11 ड्रॉ रहे। इसके साथ ही उनकी कप्तानी में टीम इंडिया की जीत का प्रतिशत 58.82 रहा, जो उनकी नेतृत्व क्षमता का एक बेहतरीन नमूना है।

SENA देशों में जीत का अनोखा रिकॉर्ड

विराट कोहली ने विदेशी धरती पर भी बेहतरीन कप्तानी की। वह एकमात्र कप्तान रहे जिन्होंने **SENA** देशों- दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जीत दर्ज की। साथ ही उन्होंने इन देशों में सबसे ज्यादा टेस्ट जीतने वाले एशियाई कप्तान का दर्जा भी अपने नाम किया।

सेंसेक्स 1,900 अंक से अधिक चढ़ा, निफ्टी 24,606 अंक के स्तर पर

भारत और पाकिस्तान के जमीन, हवा और समुद्र पर सभी प्रकार की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने के लिए सहमति बनने की घोषणा के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को शुरुआती कारोबार में उछाल आया।

कारोबार की शुरुआत सकारात्मक रुख के साथ करने के बाद बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 1,793.73 अंक चढ़कर 81,248.20 अंक पर पहुंच गया। वहीं एनएसई निफ्टी 553.25 अंक की बढ़त के साथ 24,561.25 अंक पर रहा। इसके बाद तेजी को जारी रखते हुए बीएसई सेंसेक्स 1,949.62 अंक की बढ़त के साथ 81,398.91 अंक पर और निफ्टी 598.90 अंक चढ़कर 24,606.90 अंक पर पहुंच गया। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से अदाणी पोर्ट्स, इटर्नल, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्व, रिलायंस इंडस्ट्रीज, पावर ग्रिड और एनटीपीसी के शेयर लाभ में रहे। हालांकि, सन फार्मा में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, शंघाई एसएसई कम्पोजिट तथा हांगकांग का हैंगसेंग फायदे में रहे जबकि जापान के निक्की 225 में मामूली गिरावट आई। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुए थे। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 64.24 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 3,798.71 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। भारत और पाकिस्तान ने युद्ध विराम पर सहमति बनने की गत शनिवार को घोषणा की थी।

अमन की आशा से ब्रह्मोस की भाषा तक. ..4 दिन में कैसे चित हुआ पाकिस्तान?

एक तरफ एलओसी पर मुनीर की सेना को मुंह की खानी पड़ी तो दूसरी तरफ बलूचिस्तान में बीएलए मजबूती के साथ पाकिस्तानी आर्मी को चुनौती दे रहे हैं। हाल ये है कि अब इस इलाके में मुनीर की सेना को बलूच आर्मी ने हमला तेज कर दिया है। ऐसे में सवाल ये है कि क्या अब बलूचिस्तान में भी मुनीर की आर्मी को मुंह की खानी पड़ी? इधर पाकिस्तान बेशर्मी पर उतर आया है। सीजफायर को ही अपनी जीत बता रहा है। लेकिन ये सीजफायर नहीं बल्कि मुनरी सेना का एक तरह से सरेंडर है क्योंकि मुनीर ये जानते थे कि अगर सीजफायर नहीं होगा तो उसका अंजाम क्या होगा। अब ऐसे में आपको पाकिस्तान के सरेंडर की वजह बताते हैं।

पाकिस्तान ने क्यों सरेंडर करना उचित समझा?

भारत ने पहलगाम का बदला लिया और पाकिस्तान में घुसकर आतंक के नौ ठिकानों को मटियामेट कर दिया। जिससे शहबाज और मुनीर घबरा गए। सिंधु जल संधि खत्म होने के बाद पाकिस्तान पहले से ही पानी के लिए मोहताज हो रहा था। उधर अटारी बॉर्डर बंद होने की वजह से कंगाल पाकिस्तान का हर तरह का व्यापार भी बंद हो गया था। जब हिंद की सेना का जबरदस्त एक्शन सामने आया तो पाकिस्तान में डर का माहौल बन गया। मुनीर को भी ये समझ में आया कि भारत से जीतना तो मुश्किल है और जब भारत ने एक्ट ऑफ वॉर का ऐलान किया तो पाकिस्तान ने सरेंडर करना ही उचित समझा।

500 किमी भीतर तक एयर स्ट्राइक कर दी

ऑपरेशन सिंदूर के तहत एडवांस हथियारों से लैस भारत-पाकिस्तान के बीच जंग में वॉरफेयर के कई तरीके पहली बार सामने आए। भारतीय सेना ने 21वीं सदी में पहली बार पाक के भीतर 500 किमी तक एयरस्ट्राइक की। नौसेना भी लगातार सी-कवर देती रही। आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर भारत ने 100 से ज्यादा आतंकवादियों को मार गिराया, जिनमें फ–814 अपहरण और 2019 में पुलवामा आतंकी हमले में शामिल आतंकवादी भी शामिल थे। यहाँ तक कि जैश-ए-मोहम्मद के संस्थापक मसूद अजहर ने भी दावा किया कि सैन्य हमलों में उसके परिवार के 10 सदस्य मारे गए। जैसा कि सैन्य अभियानों के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने 11 मई को एक प्रेस वार्ता में कहा, उन नौ आतंकी ठिकानों पर किए गए हमलों में 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए, जिनमें यूसुफ अजहर, अब्दुल मलिक रऊफ और मुदासिर अहमद जैसे उच्च मूल्य के लक्ष्य शामिल थे जो फ–814 के अपहरण और पुलवामा विस्फोट में शामिल थे।

90% से ज्यादा सफल स्ट्राइक

भारत ने पहली बार ऑपरेशन सिंदूर में बड़ी संख्या में ड्रोन अटैक को अंजाम दिया। इनमें नागास्त्र-1 और स्काईस्ट्राइकर ड्रोन का इस्तेमाल किया। ये ड्रोन सेल्फ डिस्ट्रक्टिंग और अटैक वॉरफेयर वाले थे। यानी ये टारगेट पर जाकर हिट करने में सक्षम थे।

पाक के पंजाब में 24 साल बाद पहला हमला

भारत ने 1971 युद्ध के बाद पहली बार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में भीतर तक बड़ी स्ट्राइक की। इसमें मुरीदके, रफीकी, सियालकोट और सुक्कर जैसी पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की आर्मी साइट हैं। वहीं, सरगोधा व जैकोबाबाद के आर्मी कैंट भी दहल गए।

4 दिन में ही विराम लगा

ये पहली बार है जब भारत ने (4 दिन) लड़ाई में पाकिस्तान की रीढ़ तोड़ दी। 1965 49 दिन, 1971 की लड़ाई 13 दिन व करगिल युद्ध 85 दिन चला। इस दौरान पाक के 9 आतंकी ठिकाने, 11 सैन्य ठिकाने तबाह किए। इस प्रतिरोध के लिए भारत ने अपने शस्त्रागार में मौजूद घातक हथियारों का इस्तेमाल किया। इन हथियारों में न सिर्फ ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल शामिल थे।

पाक ने पहली बार चीनी जेट उतारे

इस तनाव के बीच पाकिस्तान और चीन का नापाक गठजोड़ भी बेनकाब हो गया। पाकिस्तान ने पहली बार भारत के खिलाफ युद्ध में चीन से मिले जे-सीरीज के फाइटर जेट का इस्तेमाल किया। यही नहीं, पाक ने चीन के रॉकेट लॉन्चर से गोले भी दागे।

हिंद का दुनिया को संदेश

ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की रणनीति में एक सैद्धांतिक बदलाव का भी संकेत दिया है, जिससे यह स्थापित हुआ है कि राज्य प्रायोजित आतंकवाद अब लक्षित, दृश्यमान और आनुपातिक प्रतिशोध को आमंत्रित करेगा। जैसा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक बयान में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि भारत की राजनीतिक, सामाजिक और रणनीतिक इच्छाशक्ति का प्रतीक थी। आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यह नया भारत सीमा के दोनों ओर आतंकवाद के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करेगा। भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए यह भी दिखाया कि वह आतंकवाद को कभी भी, कहीं भी दंडित करेगा। इसने दिखाया कि आतंकवादियों और उनके आकाओं के पास छिपने की कोई जगह नहीं है।

कश्मीर पर दादा बनने चले थे ट्रंप, भारत ने फिर कहा कुछ ऐसा, अमेरिका की अक्ल आई ठिकाने

पुरानी कहावत है कि बेगानी शादी में अब्दुल्ला दिवाना। ये कहावत अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर बिल्कुल सटीक बैठती है। ट्रंप एक बार फिर भारत पाकिस्तान के मुद्दे पर मध्यस्थता की बात कर रहे हैं। जहां दो देशों के बीच पहले से ही जंग जैसी स्थिति हो वहां एक तीसरा शख्स बिन बुलाए बराती बनकर कूद रहा है और वो भी कोई छोटा मोटा मेहमान बनकर नहीं बल्कि सीधा दूल्हा बनकर। ये बात तो पूरी दुनिया जानती है कि कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है। कश्मीर भारत के सिर का ताज है। कश्मीर पर भारत का रुख भी साफ है कि वो जब भी पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर हासिल करेगा तो अपने दम पर ही हासिल करेगा।

भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह कश्मीर के मामले में किसी की मध्यस्थता नहीं चाहता। यह तब हुआ जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लंबे समय से चले आ रहे कश्मीर विवाद पर भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता की पेशकश की। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने मध्यस्थता की पेशकश का स्वागत किया और ट्रंप को ऐसा करने की इच्छा जताने के लिए धन्यवाद दिया। लेकिन भारत का रुख स्पष्ट है। वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस चाहता है। भारत ने हमेशा कहा है कि कश्मीर पर तीसरे पक्ष की भूमिका की कोई गुंजाइश नहीं है। पाकिस्तान की ओर से कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीयकरण की कोशिशें की जाती रही हैं। इसका भारत ने हमेशा पुरजोर विरोध किया है। ऐसे में ट्रंप का मध्यस्थता को लेकर ऐसा बयान देना भारत के रुख के एकदम विपरीत है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसा पोस्ट साझा किया, जिसे लेकर भारत में काफी चर्चा हो रही है। ट्रंप ने इस पोस्ट में कहा कि वो हजारों साल से चले आ रहे कश्मीर के मामले के समाधान को लेकर दोनों देशों के साथ मिलकर काम करेंगे। ट्रंप यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात पर बहुत गर्व महसूस होता है कि अमेरिका दोनों को इस ऐतिहासिक फैसले पर पर पहुंचने में मदद कर सका। ट्रंप ने कहा कि मौजूदा आक्रामकता से लाखों लोगों की जान चली जाती। ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान को महान देश बताते हुए, कहा कि वो नई दिल्ली और इस्लामाबाद दोनों के साथ व्यापार सस्टेनेबिलिटी को बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ेंगे। उन्होंने दोनों के राजनीतिक नेतृत्व की भी तारीफ की। इससे पहले शनिवार को ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका की मध्यस्थता के बाद दोनों देश आपसी समझौते पर सहमत हो गए हैं। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भी अपनी पोस्ट में कहा था कि दोनों देश अपने मुद्दों को लेकर एक न्यूट्रल साइट पर चर्चा करेंगे।

फ्रांस ने राफेल पर बयान देकर पाकिस्तान को हिला डाला, झूठ पर शहबाज-मुनीर की लगा दी क्लास

भारत की कूटनीति अब अपना असली रंग दिखा रही है। एक तरफ पाकिस्तान बौखलाया हुआ है तो दूसरी तरफ दुनिया के बड़े बड़े मुल्क खुलकर भारत के समर्थन में उतर चुके हैं। इन देशों ने न सिर्फ भारत का साथ दिया बल्कि पाकिस्ता को कड़ा संदेश भी दिया। जो लोग कह रहे थे कि फ्रांस सोर्स कोड नहीं मिला, उन्हें भी जवाब मिल गया। कोई भी देश किसी को भी सोर्स कोड नहीं देता। अमेरिका तक एफ-35 का कोड नहीं देता। लेकिन इन सब से इतर भारत के साथ डिप्लोमैटिक सपोर्ट और फिर राफेल पर झूठ फैलाने वालों को जवाब दिया गया। फ्रांस ने कह दिया कि हमारे पास कोई जानकारी नहीं कि कोई राफेल गिराया गया है।

फ्रांस ने कहा कि भारत का ऑपरेशन आतंक के खिलाफ है और पूरा समर्थन के लायक है। फ्रांस ने ऑपरेशन सिंदूर पर भारत का साथ देकर साबित कर दिया कि वो सिर्फ हथियार बेचने वाला नहीं बल्कि भारत का सच्चा सहयोगी है। पाकिस्तान की सेना ने झूठा दावा करते हुए सोशल मीडिया के हवाले से दावा किया था कि उसने भारतीय वायुसेना के पांच विमानों को मार गिराया है, जिसमें तीन फ्रांसीसी निर्मित राफेल भी शामिल हैं। पाकिस्तान के सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ ने बुधवार को संवाददाताओं को बताया कि पहले भारतीय हवाई हमलों के प्रतिशोध में पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र के भीतर से इन विमानों को निशाना बनाया गया। वहीं पाक पीएम ने राफेल को मार गिराए जाने की जानकारी का सोर्स सोशल मीडिया बताया था।

भारत और इजरायल का रिश्ता नया नहीं है। लेकिन इस बार इजरायल ने केवल हथियार नहीं दिए बल्कि खुलकर डिप्लोमैटिक स्टैंड भी लिया। इजरायल ने कहा कि हेरोन ड्रोन और बराक 8 जैसे हथियारों का भारत ने प्रभावी इस्तेमाल किया। जिससे पाकिस्तान की कमर टूट गई। पाकिस्तानी मीडिया और वहां की फोर्स भी ये मान रही है कि उसे इजरायली हथियारों से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इस्लामाबाद ने फतह-2 बैलिस्टिक मिसाइल दागी, जिसे भारत के बराक-8 मिसाइल डिफेंस सिस्टम ने हरियाणा के सिरसा में रोक दिया। बराक-8 भारत व इजराइल के सहयोग से तैयार लंबी दूरी वाली सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल है। डीआरडीओ और इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज ने विकसित किया है। डीआरडीओ के अनुसार इसमें 70% टेक्निक भारत की है। बराक-8 मध्यम दूरी के लड़ाकू विमान, हेलीकॉप्टर, एंटी शिप मिसाइल, ड्रोन के साथ-साथ क्रूज मिसाइलों और अन्य हवाई खतरे को नष्ट करने में सक्षम है। इसकी मारक क्षमता 70 से 100 किमी तक है। परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मिसाइल में अधिक उन्नत खोज की सुविधा और लंबी दूरी तक जाने की क्षमता है।

सौ किमी बांध को दुरुस्त करने में जुटा सिंचाई विभाग

देवरिया। राप्ती और गोर्रा नदी से प्रभावित 116 गांवों को बचाने के लिए बने सौ किमी बांध पर कटानरोधी कार्य चल रहा है। यहां दो नदियों के बीच बसे 52 गांवों और कछार के 64 गांवों पर बाढ़ का खतरा बना रहता है। रुद्रपुर में बाढ़ प्रभावित गांव को बचाने के लिए बनाए गए तटबंधों पर कटान स्थलों को दुरुस्त किया जा रहा है। बांधों पर बने रेन कट्स, रैट होल और राही के मांद भरे जा रहे हैं। कटानरोधी कार्य के लिए करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से निरोधात्मक कार्य हो रहा है। गोर्रा नदी पर भुसवल पिंड़रा बांध, पिंड़रा करनपुर बांध पांडे माझा जोगिया बांध और राप्ती नदी पर तिघरा मराछी बांध पर एकौना और नगवा छपरा बांध के सुदृढ़ीकरण का कार्य चल रहा है। मदनपुर के बिन टोलिया और भेड़ी कटान स्थल पर कटान निरोधक कार्य प्रगति पर है। बाढ़ खंड के एसडीओ रविशंकर यादव ने बताया कि नगवा छपरा में 360 लाख रुपये की लागत से सुदृढ़ीकरण का कार्य चल रहा है। तिघरा मराछी बांध पर भेड़ी कटान स्थल पर 84 लाख रुपये की लागत से निरोधात्मक कार्य कराया जा रहा है। भुसवल–पिड़रा व पिड़रा– करनपुर पांडे माझा आदि बांधों पर युद्ध स्तर पर निरोधात्मक कार्य जारी है। बरसात आने के पहले सारे बंधे दुरुस्त हो जाएंगे। आपदा प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा का व्यापक इंतजाम किया जा रहा है।

पिता की संपति के लिए बेटियों में मारपीट

देसही देवरिया। महुआडीह थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर गांव में पिता की सपंति के लिए चार बहनों के बीच मारपीट हो गई। मीरा देवी ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने उनकी बहन लालमती देवी, मायावती देवी व लक्ष्मण प्रसाद पर केस दर्ज कर लिया है। प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार राय ने बताया कि मामले में केस दर्ज जांच की जा रही है।

पिता के लापता होने पर बेटे ने दी तहरीर

देसही देवरिया। महुआडीह थाना क्षेत्र के जैसौली गांव के संजय शर्मा ने पुलिस को तहरीर देकर बताया है कि पिता मदन लाल उर्फ मुन्ना शर्मा (46) शुक्रवार की सुबह घर से कहीं चले गए। तब से घर नहीं लौटे। पुलिस से मामले में कार्रवाई करने की मांग की है।

लेवल टू जांच की सुविधा नहीं

देवरिया। मेडिकल कॉलेज में गर्भवती की जांच के लिए समुचित इंतजाम नहीं हैं। गर्भ में पल रहे शिशु के विकास के बारे जानकारी के लिए होने वाली लेवल टू जांच की सुविधा नहीं है। इससे गर्भवतियों को परेशान होना पड़ता है। रोजाना 40 से 60 गर्भवती को निजी सेंटरों पर जांच करानी पड़ती है। इससे उन पर आर्थिक बोझ पड़ता है। मेडिकल कॉलेज के एमसीएच विंग स्थित महिला अस्पताल में मरीजों की भीड़ रहती है। शहर से लेकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों से रोजाना करीब तीन सौ से अधिक मरीज आते हैं। इसमें गर्भवती महिलाओं की अच्छी संख्या रहती है। इसके अलावा अन्य महिला रोग से पीड़ित होती हैं। यहां गर्भवती के प्रथम लेवल के जांच की सुविधा निशुल्क है, जबकि नौ सप्ताह से लेकर 20 सप्ताह के बीच गर्भवती को लेवल टू की जांच करानी पड़ती है।

सीनियर स्टेट तैराकी में प्रतिभाग करेंगे खिलाड़ी

देवरिया। खेल निदेशालय की ओर से 23 से 26 मई तक बरेली में प्रदेश स्तरीय समन्वय सीनियर महिला पुरुष तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। इसके लिए जिला व मंडल टीम के चयन की तैयारी शुरू हो गई है। स्पोर्ट्स स्टेडियम में जिला टीम का चयन 14 मई व मंडल का चयन गोरखपुर में 15 मई को होगा। जिला क्रीड़ाधिकारी अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि राज्य स्तरीय सीनियर महिला पुरुष तैराकी प्रतियोगिता के लिए गोरखपुर मंडल टीम के चयन के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिला टीम का चयन स्पोर्ट्स स्टेडियम के तरणताल में 14 मई को दोपहर तीन बजे से किया जाएगा। वहीं मंडलीय टीम का चयन गोरखपुर क्षेत्रीय क्रीड़ांगन में सुबह 10 बजे से होगा। प्रत्येक प्रतिभागी अधिकतम पांच इवेंट में भाग ले सकते हैं। इसमें फ्री स्टाइल में 50, 100, 200, 400, 800, व 1500 मीटर के मुकाबले होंगे। बैक स्ट्रोक में 50, 100, 200 मीटर, ब्रेस्ट स्ट्रोक में 50, 100, 200 मीटर, बटरफ्लाई स्ट्रोक में 50, 100, 200 मीटर, व्यक्तिगत मेडले में 200 व 400 मीटर, फ्री स्टाइल में 4X100 मीटर व 4X200 मीटर, मेडले रिले – 4X100 मी0, मिश्रित रिले फ्री स्टाइल 4X100 मीटर, मिश्रित रिले मेडले 4X100 मीटर के इवेंट होंगे।

वाहन की चपेट में आकर बाइक सवार बुजुर्ग की मौत

देवरिया। देर शाम घर लौट रहे बाइक सवार एक बुजुर्ग की सड़क हादसे में मौत हो गई। बरवा सेमरा गांव निवासी उमेश सिंह (70) तरकुलवा बाजार करने गए थे। शाम करीब 7:30 बजे वह बाइक से घर लौट रहे थे। सोनहुला रामनगर के नौका टोला के पास अज्ञात वाहन ने ठोकर मार दी। जवह घायल हो गए। आसपास के लोगों ने एंबुलेंस से तरकुलवा सीएचसी भेजवाया, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। यह सूचना जब पत्नी वशवंती देवी व पुत्र प्रभात रंजन को हुई तो वे दहाड़ मार कर रोने लगे। थाना प्रभारी मृत्युंजय राय ने बताया कि अज्ञात वाहन की ठोकर से एक बुजुर्ग की मौत हुई है।

कामगार भी कर सकेंगे पॉलिटेक्निक की पढ़ाई

महराजगंज। राजकीय पॉलिटेक्निक में कामगारों (वर्किंग प्रोफेशनल) को डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम में सीधे द्वितीय वर्ष में प्रवेश मिलेगा। इसके लिए उन्हें हाईस्कूल एवं आईटीआई (दो वर्षीय पाठ्यक्रम) उत्तीर्ण तथा कम से कम एक वर्ष का औद्योगिक अनुभव होना अनिवार्य किया गया है। साथ ही कार्यस्थल की दूरी कॉलेज से 50 किमी के दायरे में ही होने की शर्त है। राजकीय पॉलिटेक्निक पुरैना खड्डी के प्रधानाचार्य संदीप कुमार सिंह ने बताया कि संस्था में संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद, उत्तर प्रदेश की ओर से संचालित तीन वर्षीय (ऑफलाईन) डिप्लोमा इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम वर्किंग प्रोफेशनल सत्र 2025–26 के तहत कामगार सीधे द्वितीय वर्ष में प्रवेश ले सकते हैं। इसके लिए अर्हता हाईस्कूल एवं आईटीआई (दो वर्षीय पाठ्यक्रम) उत्तीर्ण व कम से कम एक वर्ष का औद्योगिक अनुभव होना अनिवार्य है। साथ ही वे संस्था से 50 किलोमीटर के अंदर कार्यरत हों। ऐसे अभ्यर्थी संस्था में सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग (प्रोडक्शन) में प्रवेश लेने के लिए अपना आवेदन पत्र 31 मई तक जमा कर सकते हैं। इसके उपरांत आने वाले आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा।

सौ किमी बांध को दुरुस्त करने में जुटा सिंचाई विभाग

देवरिया। राप्ती और गोर्रा नदी से प्रभावित 116 गांवों को बचाने के लिए बने सौ किमी बांध पर कटानरोधी कार्य चल रहा है। यहां दो नदियों के बीच बसे 52 गांवों और कछार के 64 गांवों पर बाढ़ का खतरा बना रहता है। रुद्रपुर में बाढ़ प्रभावित गांव को बचाने के लिए बनाए गए तटबंधों पर कटान स्थलों को दुरुस्त किया जा रहा है।

बांधों पर बने रेन कट्स, रैट होल और राही के मांद भरे जा रहे हैं। कटानरोधी कार्य के लिए करीब 10 करोड़ रुपये की लागत से निरोधात्मक कार्य हो रहा है। गोर्रा नदी पर भुसवल पिंड़रा बांध, पिंड़रा करनपुर बांध, पांडे माझा जोगिया बांध और राप्ती नदी पर तिघरा मराछी बांध पर एकौना और नगवा छपरा बांध के सुदृढ़ीकरण का कार्य चल रहा है। मदनपुर के बिन टोलिया और भेड़ी कटान स्थल पर कटान निरोधक कार्य प्रगति पर है। बाढ़ खंड के एसडीओ रविशंकर यादव ने बताया कि नगवा छपरा में 360 लाख रुपये की लागत से सुदृढ़ीकरण का कार्य चल रहा है। तिघरा मराछी बांध पर भेड़ी कटान स्थल पर 84 लाख रुपये की लागत से निरोधात्मक कार्य कराया जा रहा है। भुसवल–पिड़रा व पिड़रा– करनपुर पांडे माझा आदि बांधों पर युद्ध स्तर पर निरोधात्मक कार्य जारी है। बरसात आने के पहले सारे बांध दुरुस्त हो जाएंगे। आपदा प्रभावित क्षेत्र में सुरक्षा का व्यापक इंतजाम किया जा रहा है।

यूपी बोर्ड परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी सम्मानित

देवरिया। शिक्षा ही एक ऐसी चीज है जिसे कोई छीन सकता है न चुरा सकता है। यदि आप प्रतिभावान हैं तो आपको आगे बढ़ने से कोई ताकत नहीं रोक सकती है। यह बातें मुख्य अतिथि कांग्रेस के निवर्तमान जिला महासचिव डॉ. धर्मेंद्र पांडेय ने कहीं।

वह नगर के ईंचौना पश्चिमी वार्ड में संपूर्ण क्लासेज परिसर में माध्यमिक शिक्षा परिषद के हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में बेहतर अंक के साथ सफल हुए विद्यार्थियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। राजस्व निरीक्षक संघ के पूर्व अध्यक्ष व कांग्रेस नेता चंद्रभूषण पांडेय ने कहा कि होनहार लोग परिचय के मोहताज नहीं होते हैं।

संस्थान के प्रधानाचार्य अमित प्रताप सिंह ने कहा कि इन बच्चों ने अपने कक्षा में सर्वाधिक अंक पाकर यह साबित कर दिया कि लगन व मेहनत से किया गया कार्य कभी भी विफल नहीं होता है। सम्मानित होने वाले बच्चों में इंटरमीडिएट की सृष्टि मिश्रा, सतेश जायसवाल, अनुराग गौड़, सुहानी पांडेय, अंजलि मद्धेशिया, आदित्य गिरि, कृष्णा शर्मा, शिवम शर्मा, अभि कुमार, संजय रौनियार, मोहम्मद कैफ, अभिषेक पांडेय शामिल हैं। हाईस्कूल की भूमि साहू, आदित्य बरनवाल, सुप्रिया कुशवाहा, स्वाति जायसवाल, खुशबू यादव, अनन्या शेरावत, प्राची चौरसिया, जान्हवी खातून, कुन्दन कुशवाहा, अनुप्रिया जायसवाल, पलक बरनवाल, रानी यादव, सौम्या पांडेय, शिखा यादव, सोनिका भारती,अदिति गुप्ता, प्रिंस गुप्ता, कदम साहू,सिद्धि चौहान, अमन चौहान, आदित्य कुमार, अंजलि यादव, दीपिका कुशवाहा, अक्षरा निगार, अनुष्का को सम्मानित किया गया।

अटल भवन में आयोजित की गई भारतीय जनता पार्टी की बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। भारतीय जनता पार्टी की बैठक सोमवार को तुलसी पार्क स्थित अटल भवन कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक में मंडल अध्यक्षों के मंडल गठन के लिए चर्चा की गई। मुख्य अतिथि अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी राहुल रस्तोगी ने कहाकि सभी नव नियुक्त मंडल अध्यक्षों का चयन किया जा चुका है। जिलेभर में 15 मंडलों में अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं तथा शेष सात मंडल में अध्यक्षों का चुनाव होना बाकी है। इन सात मंडल में अध्यक्षों का चयन शीघ्र ही पार्टी की ओर से किया जाएगा। अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय महामंत्री विजय प्रताप सिंह ने कहा कि मंडल अध्यक्ष चुनाव के बाद अब मंडल का गठन किया जाना है। सभी मंडल में आरक्षण का ध्यान समस्त मंडल अध्यक्ष करते हुए पदाधिकारी का चयन करेंगे। जिन मंडल में आरक्षण लागू होता है उन मंडलों में ओबीसी अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के लोगों को पार्टी से जोड़ने का कार्य मंडल अध्यक्ष करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने कहा कि मंडल गठन में सभी की जिम्मेदारी अधिक हो जाती है। कोई भी मंडल अध्यक्ष बिना आरक्षण पूरा किया मंडल गठन नहीं करेगा। पार्टी में नए कार्यकर्ताओं को अधिक जोड़ने पर ध्यान दिया जाएगा। इसी के साथ ही संगठन में महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस अवसर पर जिला महामंत्री डमन सिंह मोनू, बिट्टू विश्वकर्मा, जिला मंत्री अवधेश तिवारी तरुण, अंशुमान शुक्ला, संदीप उपाध्याय, मंडल अध्यक्ष आनंद स्वरूप श्रीवास्तव, विश्वास सिंह, सुरेश तिवारी, फणीन्द्र गुप्ता, इंद्रजीत साहू, गुड्डू चौधरी, जिलेदार पाण्डेय, ब्रह्मानंद मौर्य, विष्णु गुप्ता व धीरेंद्र पाठक सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

पुरस्कार में चयनित होने पर जिला मंत्री ने प्रधानाचार्य कृष्ण मोहन शुक्ल को दी बधाई व शुभकामनाएं

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पयागपुर। विकास क्षेत्र के परसिया आलम स्थित संस्त विद्यालय के प्रधानाचार्य कृष्ण मोहन शुक्ल को राज्य अध्यापक पुरस्कार में चयनित होने पर राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला मंत्री व उच्च प्राथमिक विद्यालय पिपरा कमाल शिवदहा के प्रधानाध्यापक बभनियावा निवासी राजेश कुमार मिश्र ने बधाई व शुभकामनाएं दी तथा उनको खुशी के रूप में श्री राम लला की मूर्ति भी भेंट की स राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला मंत्री राजेश कुमार मिश्र ने बताया कि कृष्ण मोहन शुक्ल आम शिक्षकों के आदर्श के रूप में हैं और वे शिक्षक छात्र तथा अभिभावकों के हित के लिए सदैव तत्पर रहते हैं सभी सांस्कृतिक, सामाजिक, विद्यालय कार्य में सदैव बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर जनहित कार्य में लगे रहते हैं, राज्य अध्यापक पुरस्कार में चयनित होने पर क्षेत्र वासियों में खुशी व्याप्त है तथा बधाई देने वालों में सामाजिक कार्यकर्ता व पूर्व प्रधानाध्यापक आनंद बिहारी शुक्ला, रवि मोहन शुक्ला आदि शिक्षकों ने बधाई दी तथा आम जनमानस बधाई देने के लिए तांता लगा हुआ है।

राष्ट्रव्यापी संकट निवारण को लेकर घरों में किया गया यज्ञ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर/पचपेड़वा। घर घर में में हम यज्ञ रचाएं, आओ भारत सबल बनाएं इसी परिप्रेक्ष्य में सोमवार को बुद्ध पूर्णिमा के पुनीत पर्व पर अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज (हरिद्वार) के दिशा निर्देश पर मानव में देवत्व का उदय, धरती पर स्वर्ग का अवतरण और राष्ट्र व्यापी संकट निवारण हेतु सभी घरों में गायत्री यज्ञ किया गया भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जनपद बलरामपुर के प्रभारी गुलाबचंद भारती,बंगलौर से प्रज्ञा जायसवाल, युग निर्माण विद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य पारसनाथ आर्य,बलरामपुर से नीलम/सुनील वर्मा, अयोध्या से ममता/रितेश जायसवाल, गैसड़ी से भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय कुमार सैनी, राधे गोविंद गुप्ता, जनपद युवा प्रभारी संदीप जायसवाल, माता प्रसाद गुप्ता, राधा गुप्ता, गोंडा से कवियत्री ज्योतिमा शुक्ला, अयोध्या से ममता रितेश/जायसवाल, सिद्धार्थनगर से चंद्रभान मिश्रा, कमलेश साहनी, राणा प्रताप सिंह, राकेश पाण्डेय और अजय चौधरी, नौतनवा से निर्मला/भोला जायसवाल, सिसी जायसवाल,इटवा से द्वारपाल चौरसिया पचपेड़वा के संजय मोदनवाल, सीता देवी, अर्चना सैनी, गायत्री परिवार पचपेड़वा के ट्रस्टी संजय कुमार जायसवाल, महिला मंडल पचपेड़वा की प्रभारी मीना श्रीवास्तव, आनंद जायसवाल, कृष्ण कुमार पांडे, सीमा गुप्ता, शंभू अग्रवाल, भगवती जायसवाल, रितेश तुलस्यान, मंजू/मनोज, रस्तोगी, ऋतिक जायसवाल, हेमंत चौरसिया, सुनीता जायसवाल, दुर्गेश गुप्ता (राजू), आरती जायसवाल, जगदंबा अग्रवाल, माया मोदनवाल, अजय वर्मा और सरोज जायसवाल सहित सैकड़ों लोगों ने अपने–अपने घरों में यज्ञ किया और गायत्री मंत्र तथा महामृत्युंजय मंत्रों से आहुतियाँ डालीं।

उपनिरीक्षक लेखा अंजनी राय के गैर–जनपद स्थानान्तरण पर दी गयी विदाई

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। जनपद में उपनिरीक्षक लेखा के पद पर कार्यरत एकाउन्टेंट अंजनी राय के जनपद श्रावस्ती स्थानान्तरण पर प्रस्थान करने पर दिनांक 12.05.2025 को पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस कार्यालय बहराइच में विदाई समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिस अधीक्षक द्वारा पुष्प गुच्छ व उपहार देकर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दी गई। विदाई समारोह के अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर एवं ग्रामीण, क्षेत्राधिकारी लाइन, प्रतिसार निरीक्षक, उपनिरीक्षक लिपिक एवं अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा उन्हें माला पहनाकर शुभकामनाएं दी गई।

स्पार्क कालेज में मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय नर्स दिवस

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बहराइच। मरौचा–बौंडी मार्ग के अलादादपुर स्थित स्पार्क ग्रुप आफ कालेज में अन्तर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया गया। संस्था निदेशिका डा. अभिलाषा वर्मा ने मां सरस्वती व नाइटिंगेल लोरेंस के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। नर्सिंग पेशे में प्रवेश करने वाले विद्यार्थियों के लिए ब्लैम्प लाइटिंग एवं शपथ ग्रहण समारोह एक अत्यंत महत्वपूर्ण और भावनात्मक क्षण होता है। यह परंपरा महान नर्सिंग दृष्टा फ्लोरेन्स नाइटिंगेल्स की स्मृति में की जाती है, जिन्होंने दीपक की रोशनी के सहारे घायल सैनिकों की सेवा कर नर्सिंग सेवा को नई पहचान दी थी। इसी परंपरा के अनुरूप एएनएम, जीएनएम व बीएससी नर्सिंग के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर एवं मोमबत्तियां जलाकर यह संकल्प लिया कि वे निष्ठा, करुणा एवं सेवा भाव के साथ मानवता की सेवा में अपने जीवन को समर्पित करेंगे। शपथ ग्रहण के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह वचन दिया कि वे नर्सिंग सेवा के उच्चतम मानकों का पालन करेंगे, रोगियों की देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरतेंगे, तथा शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पीड़ित व्यक्तियों के प्रति सहानुभूति और संवेदनशीलता के साथ व्यवहार करेंगे। यह समारोह न केवल विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है, बल्कि उन्हें यह भी याद दिलाता है कि नर्सिंग केवल एक पेशा नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और मानवता की सच्ची साधना है। नर्सिंग के छात्र–छात्राओं द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता पीपीटी प्रेजेंटेशन सीपीआर समेत विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं प्रस्तुत किए। निदेशिका डा.अभिलाषा वर्मा ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस हर वर्ष 12 मई को मनाया जाता है। 12 मई का दिन लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती के रूप में मनाया जाता है जो आधुनिक नर्सिंग की संस्थापक थी। यह मुख्य रूप से स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यरत नर्सों को समाज में उनके परिश्रम और सेवा के लिए सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है। नर्सिंग स्टाफ के बिना कोई भी चिकित्सा सुविधा एक दिन के लिए भी काम नहीं कर सकता है। इस मौके पर वाईस प्रिंसिपल डा.मुहसिन, श्रीनू बीआर,वंदना रसमन, अरविंद स्नेहा, संदीप समेत नर्सिंग के छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

बिजली के करंट लगने से व्यक्ति की हुई मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

पयागपुर। थाना पयागपुर अंतर्गत ग्राम सतरही में बिजली के करंट लगने व्यक्ति की मौत हो गई। मृत व्यक्ति का नाम कोरी पुत्र रामचन्द्र बताया जा रहा है जिसकी मौत खेत में बिजली के करंट लगने से हो गई। सूचना पाकर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को पंचायतनामा की कार्यवाही कर पीएम हेतु मर्चरी हाउस बहराइच भेज दिया।

बुद्ध के बताये रास्ते पर चलने से ही मानव कल्याण सम्भव

दैनिक बुद्ध का सन्देश

सोनभद्र। सोमवार को त्रिविध पावनी बुद्ध पूर्णिमा अर्थात जन्म, ज्ञान प्राप्ति व महापरिनिर्वाण का पवित्र त्योहार आज बैशाख पूर्णिमा/बुद्ध पूर्णिमा के दिन धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सर्वप्रथम तथागत बुद्ध विहार निकट रेलवे फाटक राबर्ट्सगंज सोनभद्र में 8.30 बजे पूज्य भन्ते आनंद जी द्वारा बुद्ध वंदना, त्रिशरण एवं पंचशील ग्रहण कराने के बाद सुबह 9.30 बजे सैकड़ों धम्म बंधुओं के साथ धम्म प्रभातफेरी/शोभायात्रा तथागत बुद्ध विहार से प्रारम्भ होकर राबर्ट्सगंज नगर में रेलवे क्रासिंग से धर्मशाला चौराहा से चंडी तिराहा से बढ़ौली चौराहा से मिशन अस्पताल होते हुए बढ़ौली चौराहा से कचहरी होते हुए महिला थाना पुनः बुद्ध विहार पहुँची। प्रभात फेरी में धम्म घोष व नारे के साथ गौतम बुद्ध का है पैगाम, मानव मानव एक समान। भगवान बुद्ध की करुणा हो, करुणा हो, करुणा हो। भारत की है जिससे शान, विजयी विश्व अशोक महान। घर घर अलख जगायेंगे, सबको बौद्ध बनाएंगे। बुद्ध विहार पर आयोजित विचार गोष्ठी कार्यक्रम में महिला पुरुष व बच्चों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

जयंती समारोह को संबोधित करते हुए रामधारी संजीवैया व सुमन्त सिंह मौर्य ने कहा कि बुद्ध का धम्म एक ऐसा मार्ग है जो सर्व समाज को एक समान जीने का अधिकार देता है और मानवता को स्थापित करता है एवं भगवान बुद्ध के बताये गए मार्ग पर चलकर देश दुनिया में व्याप्त भ्रष्टाचार, हिंसा, व्यभिचार, अत्याचार का जो माहौल है उससे मुक्त किया जा सकता है। देश विदेश में सुरक्षा शांति का माहौल कायम हो सकता है एक सभ्य समाज के निर्माण के लिए भगवान बुद्ध ने पंचशील का पालन करते हुए अष्टांगिक मार्ग रूपी रास्ता दिए जिसका पालन करके एक मनुष्य एक समाज शीलवान बनता है जिससे लोग सुखी व समृद्धि होते हैं लेकिन ज्योंही हम पंचशील के रास्ते से दूर होते हैं तो शीलवान समाज से अश्लील समाज हो जाता है इसलिए समाज को हिंसा, नफरत, झूठ, चोरी, घूसखोरी, व्यभिचार, नशाखोरी व पर्यावरण असंतुलन जैसी महामारी से मुक्त करने के लिए बुद्ध का रास्ता अपनाना ही पड़ेगा। अध्यक्षता कर रहे गोपाल जी निराला व अनिल सिंह पटेल ने कहा कि बुद्ध अपने आपको मार्ग बताने वाला बताये आपको उनके रास्ते खुद चलना पड़ेगा तभी आपका मंगल होगा। श्याम सुन्दर प्रजापति व राजकुमार सोनकर जी ने कहा कि बुद्ध का मार्ग बहुत सरल व लोक कल्याण का मार्ग है उसको अपनाकर ही हम अपना जीवन मंगल बना सकते हैं। कार्यक्रम के सचिव उमेश मौर्य ने सबका आभार व्यक्त किया। संचालन नरेन्द्र प्रताप जे.ई साहब ने किया।

गोष्ठी डा0 भागीरथी सिंह मौर्य, सुमन्त सिंह मौर्य, विजयमल मौर्य, आदित्य मौर्य, रविरंजन शाक्य, अनिल कुमार सिंह, सुनील कुमार सिंह, राजकुमार मौर्य, चंद्रेश कुमार, माता प्रसाद सिंह, तेजप्रताप मौर्य, लक्ष्मी नारायण पटेल, राजेश कुमार प्रेमी, नंदकिशोर मास्टर, एड राजेश कुमार, पवित कुमार, एडवोकेट उदय राज मौर्य, राजकुमार बौद्ध, डॉ ओ पी मौर्य, अनिता पटेल,अनिता मौर्य, शिवानन्द, रमेश सिंह इत्यादि उपासक एवं उपस्थित रहे।

रोजगार मेला का आयोजन 14 को

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला सेवायोजन अधिकारी, ने अवगत कराया है की जिला सेवायोजन कार्यालय, सोनभद्र द्वारा जनपद के बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार देने के लिए 14 मई 2025 को प्रातः 10:00 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने) लोढ़ी, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र के परिसर में रोजगार मेला का आयोजन किया गया है, जिसमें निजी क्षेत्र की लगभग 14 कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी जिसमें विजन इण्डिया प्रा. लि. (हिन्डालको इण्डस्ट्रीज लि. रेनूकूट सोनभद्र) सीएचपीएल, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, सुद ऑटोमोबाईल्स, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, टाटा मोबाईल कम्पनी, नोएडा, परमहंस इण्टरप्राईजेज, गुरूग्राम, हरियाणा, क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण लि., राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, डीएस्ट्रस, फरीदाबाद (फेन इण्डस्ट्रीज लि., अलवर), सीनटास इंडस्ट्रीज प्रा. लि., वाराणसी, एसबीआई कार्ड वाराणसी, मैक्लिम्ड माइक्रोफीन राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, राज इण्डस्ट्रीज, राबर्ट्सगंज, सोलेरा इण्डस्ट्रीज प्रा. लि., मधुपुर सोनभद्र, टाटा मोटर्स पैसेन्जर वेहिकिल्स लि., अहमदाबाद, गुजरात एवं नेशनल सेक्योरिटी सर्विसेज, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र इत्यादि कम्पनियों द्वारा विभिन्न पदों पर भर्तियां की जाएगी। समस्त इच्छुक एवं योग्य बेरोजगार अभ्यर्थियों का साक्षात्कार नियोजकों द्वारा जिला सेवायोजन कार्यालय, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने) लोढ़ी, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र के परिसर में लिया जायेगा। यह रोजगार मेला पूर्णतः निःशुल्क है। इस हेतु कोई यात्रा व्यय देय नहीं होगा।

सपा कार्यालय पर भगवान बुद्ध की मनाई गयी जयंती

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय पर बुद्ध पूर्णिमा को भगवान बुद्ध की जयंती मनाई गई एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने किया और संचालन जिला महासचिव मोहम्मद कुरैशी कुरैशी ने किया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि भगवान बुद्ध ने अहिंसा, करुणा और प्रेम का संदेश दिया था उन्होंने कहा था कि ज्ञान मुक्ति का मार्ग है। ज्ञान से ही समाज को आगे बढ़ाया जा सकता है। संगोष्ठी में मुख्य रूप से समाजवादी पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष रविंद्र बहादुर सिंह पटेल संजय यादव विजय यादव अनिल प्रधान जिला उपाध्यक्ष अशोक पटेल विधानसभा अध्यक्ष बाबूलाल यादव परमेश्वर यादव शशि प्रकाश मिश्रा दयाराम मौर्य दीपक केसरी रमेश यादव सरदार पारुब्रह्म सिंह कामरान खान मिथिलेश सिंह रामधारी सिंह पटेल चंद्र भूषण यादव इसरार खान एमडी सिंह लालबरत यादव कारक अली जिलानी के साथ दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित फरार चल रहे 01 नफर वारण्टी अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम में फरार चल रहे व पुरस्कार घोषित अपराधियों तथा वांछित वारण्टियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन निर्देशन व क्षेत्राधिकारी घोरावल के कुशल पर्यवेक्षण में 12.05.2025 को थाना शाहगंज पुलिस के द्वारा मु0अ0सं0–148/2022 धारा–363, 366, 376 भादवि व 5जे(2)/6 पॉक्सो एक्ट से सम्बन्धित फरार चल रहे 01 नफर वारण्टी अभियुक्त नीरज कुमार पुत्र उपेन्द्र मण्डल निवासी राजावार थाना रजौना जनपद बांका बिहार, हाल पता ग्राम ढाभा थाना शाहगंज जनपद सोनभद्र उम्र करीब 21 वर्ष को ग्राम ढाभा से थाना शाहगंज पुलिस द्वारा समय करीब 07.30 बजे गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया।

बिजली कटौती व जर्जर तारों को बदलने की मांग, सौंपा ज्ञापन

बिजली कर्मचारियों की रात्रि में लगाई जाएं ड्यूटी

दैनिक बुद्ध का संदेश

बनमान/बस्ती। भारतीय जनता पार्टी बस्ती जिले के गौर मंडल अध्यक्ष राजेश कमलापुरी के नेतृत्व में विद्युत उपखंड अधिकारी उप केन्द्र बभनान बाजार को बिजली कटौती समस्या एवं जर्जर बिजली तारों की समस्याओं को लेकर अविलंब सुधार कराने के लिए सौंपा पत्र। उन्होंने कहा कि बढ़ती गर्मी व लू के समस्याओं के बीच बिजली कटौती होने के कारण आमजन मानस व व्यापारिक जन रोष व्याप्त है। मांग पत्र में निम्न मांग रखें है। सोसायटी रोड भेलीमंडी, ज्ञानेन्द्र नगर, शिवमन्दिर, स्टेशन रोड, साईं मंदिर सहित अन्य स्थानों पर जर्जर बिजली तारों को बदलने कि मांग किया गया। जर्जर तारों के कारण लो वोल्टेज की समस्या बना रहता है विभागीय कर्मचारियों के द्वारा बताया जा रहा है कि शहरी क्षेत्रों में रात्रि 12 बजे व ग्रामीण क्षेत्रों में शाम 6 बजे के बाद किसी भी लाइन मैन की ड्यूटी नहीं होती है। जिससे बिजली समस्याओं का निस्तारण दूसरे दिन सुबह 10 बजे से रात्रि 12 बजे पहले किया जाता है। ऐसे में बिजली खराब होने पर जनमानस को काफी समस्या उत्पन्न होती है। इस समस्या को खत्म करने के लिए बिजली कर्मचारी का रात्रि में शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में ड्यूटी लगाई जाए। और बिजली विभाग के पास निजी विद्युत सुधार हेतु सीढ़ी उपलब्ध नहीं है जो इधर–उधर से मांग कर बिजली तार सुधार करना पड़ता है। विभागीय अधिकारियों द्वारा एक सीढ़ी उपलब्ध कराया जाए। विद्युत उपखंड बभनान का एक वाट्सएप ग्रुप बनाया जाए जोकि बिजली समस्याओं एवं बिजली कटौती का जानकारी मिल सके। इस मौके पर मुकेश जायसवाल, रविन्द्र कसौधन, राकेश कुमार अंकित जायसवाल, शिवपूजन, अवधेश, राजकुमार जायसवाल, आशीष कुमार गुप्ता आदि लोग उपस्थित रहें।

जीवन में सत्य, अहिसा एवं प्रेम के रेखांकन के साथ विचारों का आत्मसात भी जरूरी : चंद्रेश शास्त्री

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ब्रह्मर्षि बाबरा सिद्धार्थ ममतापुर– (अनाथाश्रम)

जगमोहनी सिद्धार्थनगर के प्रांगण में बुद्ध पूर्णिमा पावन पर्व पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता को संबोधित करते हुए संस्थान सचिव चंद्रेश शास्त्री जी ने कहा छायाचित्र के रेखांकन के साथ–साथ भगवान बुद्ध के रेखांकित किया जा रहे चित्र एवं उनके विचारों को भी जीवन में आत्मसात कर सत्य, प्रेम एवं अहिंसा के पथ पर चलने का हम सभी को प्रयास करना चाहिए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिव्यांश चौहान एवं निर्णायक मंडल में उपस्थित विशाल पांडे, प्रेम गुप्ता, प्रीति कुमारी, रमेश कुमार के द्वारा बच्चों द्वारा रेखांकित मनमोहन चित्रों का अवलोकन किया गया। जिसमें क्रमशः अमित कुमार ने प्रथम, अर्चना कुमारी ने द्वितीय, प्रिंसी कुमारी ने तृतीय, चांदनी कुमारी ने चतुर्थ स्थान एवं शेष दर्जनों प्रतिभागियों को निर्णायक मंडल के सदस्यों के साथ संस्था सचिव चंद्रेश शास्त्री, मुख्य अतिथि दिव्यांश चौहान एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ जन संकटा प्रसाद पांडे जी के द्वारा सांत्वना पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया।

विश्व हिन्दू महासंघ पदाधिकारियो ने कान्हा गौशाला मे चलाया स्वच्छता अभियान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। सोमवार को विश्व हिन्दू महासंघ पदाधिकारियों द्वारा कटेश्वरपार्क के निकट स्थित कान्हा गौशाला में स्वच्छता अभियान

चलाकर गोवंश को चना, गुड़ खिलाया गया। महासंघ जिलाध्यक्ष अखिलेश प्रताप सिंह के 33 वें जन्म दिन के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में पदाधिकारियों ने उनके सुदीर्घ जीवन की कामना किया। अखिलेश सिंह ने कहा कि हम सबको अपने–अपने जन्म दिन को विशेष सेवा और उद्देश्य से जोड़ने की जरूरत है जिससे समाज में रचनात्मक संदेश जाय। उन्होंने महासंघ पदाधिकारियों का आवाहन किया कि अपने जन्म दिन पर ऐसा नेक कार्य करें जो उदाहरण बने। समाज में अच्छा संदेश जाय। इस अवसर पर विश्व हिन्दू महासंघ के विजय शंकर शुक्ला, प्रमोद पाण्डेय, आलोक कुमार दुर्गेश, अभिषेक, जीतेन्द्र यादव, अर्पण श्रीवास्तव, चन्दन, राकेश सिंह, विपिन सिंह, सनी, बाल.भा सिंह, सौरभ तिवारी, अभिषेक सिंह, अंकित कुमार, मनीष कुमार, उपेंद्र कुमार, समर प्रताप सिंह, सौर्य सिंह, अंकित कुमार उपाध्याय, सतीश पाण्डेय, सन्नी श्रीवास्तव, सुन्दर जी महाराज, भानु गुप्ता, अमित भट, सतीश पाण्डेय, मम्मू, अंकित उपाध्याय, प्रिंसी सिंह, सुंदर जी महाराज, अंकित सिंह के साथ ही अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

रार चल रहे 02 नफर वांछित अभियुक्तगण को गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम में फरार चल रहे व पुरस्कार घोषित अपराधियों तथा वांछित वारण्टियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन निर्देशन व क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में 12.05.2025 को थाना रायपुर पुलिस के द्वारा मु0अ0सं0–78/2025 धारा–3(1) उ0प्र0 गैंगेस्टर एक्ट से सम्बन्धित फरार चल रहे 02 नफर वांछित अभियुक्तगण 1. श्याम सुन्दर गुप्ता पुत्र ईश्वर दयाल निवासी कुदरत थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र करीब 30 वर्ष 2. सुमन्त शाह पुत्र कपर साह उर्फ सीता राम गुप्ता निवासी कोहरव थाना रायपुर जनपद सोनभद्र उम्र करीब 40 वर्ष को थाना रायपुर पुलिस द्वारा समय करीब 05.45 बजे बैनी बाजार के पास से गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया।

मरीज को ठीक करने में डाक्टर से कम नही है नर्सेज का योगदान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। स्वास्थ्य जागरूकता और समाजसेवा के विभिन्न आयामों पर कार्य कर रही सामाजिक संस्था ह्यूमन सेफ लाइफ फाउण्डेशन की ओर से इंटरनेशनल नर्सेस डे पर केक काटने के उपरान्त नर्सों को सम्मानित किया गया। मालवीय रोड स्थित नवयुग मेडिकल सेन्टर मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये फाउण्डेशन के जिलाध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि दुनियाभर में नर्सों को सम्मान मिलता है। हमें इस सम्मानजनक पेशे के आदर्शों को अपने जीवन में उतारना होगा और सेवा भावना को हमेशा प्राथमिकता देनी होगी। डा. अभिजात ने कहा आज मरीजों की सेवा करने वाली नर्सेस के प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए हर साल इंटरनेशनल नर्सेस डे मनाया जाता है। किसी मरीज को ठीक करने में जितनी भूमिका एक डॉक्टर की होती है उतनी ही भूमिका एक नर्स की भी होती है। उन्होंने सभी नर्सों को शुभकामनायें दिया। नवयुग मेडिकल सेन्टर को सेवायें दे रही नर्स अंजली त्रिपाठी ने कहा आज इंटरनेशनल नर्सेस डे है। 12 मई को दुनियाभर में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया जाता है। नर्स दिन–रात मरीजों का ध्यान रखकर नर्स दुनिया भर को सेवाभाव का संदेश देती है। मरीजों और उनके परिवारों का भरोसा, उनका आशीर्वाद बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। फाउण्डेशन के संस्थापक रंजीत श्रीवास्तव ने कहा नर्सेस की खास अहमियत के वजह से ही 12 मई को इंटरनेशनल नर्सेस डे मनाया जाता है। इस नर्स की मदद से मरीज में तेजी से सुधार देखा जाता है। अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस नर्सों के महत्व और दूसरों के जीवन में बदलाव लाने के प्रति उनके समर्पण की याद दिलाता है।

इस अवसर पर डा. शशि, डा. दिव्यजात कुमार, आशुतोष श्रीवास्तव, डा. वाहिद अली सिद्दीकी, संतोष यादव, सुधीर कुमार, राजकुमार, आदि अंकमन, मनोज कुमार पाण्डेय, आदि मौजूद रहे। अंजली त्रिपाठी, श्रद्धा त्रिपाठी, रागिनी चौधरी, सुनीता चौधरी, संगीता त्रिपाठी, रीता श्रीवास्तव, अनीता यादव, रीना गौतम, पूजा श्रीवास्तव, खुशी आर्या, अमृता सिंह, निशा शुक्ला, पूर्णिमा पाण्डेय, अंजली कनौजिया को सम्मानित किया गया।

मां शब्द की महिमा बहुत बड़ी है जिसका व्याख्या कर पाना सम्भव नहीं : गोपाल त्रिपाठी

दिल्ली स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में मदर्स डे आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। दिल्ली स्कूल ऑफ एक्सीलेंस हवेली खास बस्ती में मातृ दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय प्रधानाचार्य गोपाल त्रिपाठी ने मां सरस्वती के चित्र पर पुष्पअर्पित कर एवम् दीप जला कर की। कार्यक्रम के श्रृंखला में प्रधानाचार्य गोपाल त्रिपाठी ने सभी आए हुए मेहमानों और सभी मातृ अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि मां शब्द की महिमा बहुत बड़ी है जिसका व्याख्या कर पाने के लिए हमारे पास शब्द नहीं है। मां दया है, क्षमा है, ज्ञान है, बहन है, बेटी है, भाभी है, बुआ है, दादी है। मां के कई रूप है मां ईश्वर के दूसरा रूप है। आज का दिन हमारे लिए विशेष है कि आज हम मां की महिमा का गुणगान करने के लिए यहां इकट्ठा हुए हैं। सभी ने अपने अपने मन से माताओं को याद करके उनके प्रति सम्मान प्रेषित किया। कार्यक्रम का संचालन सीसीए हेड दिव्या त्रिपाठी ने किया। दिव्या त्रिपाठी ने कहा कि माँ, यह शब्द ही अपने आप में एक पूरी दुनिया का अर्थ समेटे हुए है। माँ का प्यार, माँ की ममता, और माँ का आशीर्वाद हर किसी के जीवन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कार्यक्रम में आए हुए सभी माताओं के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए गए थे जिसमें ग्रुप डांस, बलून फुलाओ, बॉल पास, म्यूजिकल चेयर सहित कई कार्यक्रम शामिल रहे। सभी ने कार्यक्रम की खूब सराहना की। बहुत सी अभिभावक माताओं ने भी अपने अपने विचार रखें। कार्यक्रम में क्षमा उपाध्याय, आयशा, मीनू, पूर्णिमा, पूजा, रेनु, सीमा, रिया, ऐश्वर्या, गरिमा, लक्की शुक्ला, सबा, रंजना, पूनम, अंजलि, सुचित्रा, शिखा, काजल, अनुष्का, अर्पिता, स्नेहा, अनूप, पंकज, फराज, अवनीश, अंगद शिवेंद्र, माया, शालिनी उपाध्याय सहित सभी अध्यापक और सभी मातृ शक्ति अभिभावक उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट- हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद- सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद जनपद- सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

प्रदीप रंगनाथन की पैन इंडिया फिल्म ड्यूड से फर्स्ट लुक पोस्टर आउट

प्रदीप रंगनाथन, ममिता बैजू, कीर्तिश्वरन, मैथ्री मूवी मेकर्स पैन इंडिया फिल्म ड्यूड फर्स्ट लुक का अनावरण, दुनिया भर में बड़े पैमाने पर दिवाली रिलीज 2025 के लिए तैयार। लव टुडे में अपनी सनसनीखेज शुरुआत के बाद, जहाँ उन्होंने एक अभिनेता और निर्देशक दोनों के रूप में प्रभावित किया, प्रदीप रंगनाथन ने ड्रैगन की द्विभाषी सफलता के साथ अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा है। इस फिल्म ने तमिल और तेलुगु दर्शकों के बीच उनकी बढ़ती प्रतिष्ठा को मजबूत किया। लगातार दो हिट फिल्मों के बाद, प्रदीप वर्तमान में एक पैन इंडिया वेंचर में अभिनय कर रहे हैं, जिसका निर्माण प्रसिद्ध बैनर माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा किया गया है। आगामी फिल्म में कीर्तिश्वरन को निर्देशक के रूप में भी पेश किया जाएगा। प्रेमलु ब्यूटी ममिथा बैजू मुख्य महिला की भूमिका में हैं, जबकि वरिष्ठ अभिनेता सरथ कुमार फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। निर्माताओं ने आज आधिकारिक तौर पर फिल्म के शीर्षक का अनावरण किया, साथ ही इसका आकर्षक फर्स्ट लुक जारी किया और इसकी रिलीज की तारीख के बारे में एक बड़ी घोषणा की। युवाओं को आकर्षित करने वाली ड्यूड नामक इस फर्स्ट लुक पोस्टर में प्रदीप रंगनाथन एक गंभीर अवतार में दिखाई दे रहे हैं, उनके चेहरे पर चोट के निशान हैं और उनके चेहरे पर धैर्य की झलक है, जबकि उन्होंने अपने हाथ में मंगलसूत्र पकड़ रखा है। जैसा कि शीर्षक और फर्स्ट लुक पोस्टर से पता चलता है, ड्यूड एक आधुनिक मोड़ के साथ एक संपूर्ण मनोरंजक फिल्म बनने जा रही है। यह फिल्म दिवाली 2025 के लिए दुनिया भर में स्क्रीन पर आने के लिए तैयार है, जिसका उद्देश्य त्योहारी सीजन को रोशन करना है। मैथ्री मूवी मेकर्स ने अपनी आगामी द्विभाषी फिल्म के लिए उभरते हुए प्रतिभाशाली कलाकारों की एक गतिशील टीम को एक साथ लाया है। संगीत की कमान तेजी से उभरते संगीतकार साई अभ्यंकर के हाथों में है, जबकि दृश्य सौंदर्यशास्त्र का जिम्मा सिनेमैटोग्राफर निकेथ बोम्मी को सौंपा गया है। फिल्म की दुनिया को प्रोडक्शन डिजाइनर लता नायडू द्वारा गढ़ा जाएगा, जबकि संपादन की कमान भरत विक्रमन संभालेंगे। फिल्म का निर्माण कार्य पहले से ही जोरों पर चल रहा है, और टीम दिवाली के लिए एक बेहतरीन मनोरंजन देने के लिए तेजी से काम कर रही है। फिल्म ड्यूड तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी भाषाओं में रिलीज होगी।

डीप नेक ब्लू कट–आउट ड्रेस में कंगना शर्मा का बोल्ड अंदाज, ओटीटी पार्टी में बिखेरा जलवा

एक्ट्रेस कंगना शर्मा एक बार फिर अपने ग्लैमरस लुक को लेकर चर्चा में आ गई हैं, उन्होंने हाल ही में हंगामा ओटीटी की सक्सेस पार्टी में शिरकत की, जहां उनका डीप नेक ब्लू कट–आउट ड्रेस वाला बोल्ड लुक सबका ध्यान खींचता नजर आया, इस लुक

में कंगना ने सिल्वर क्लच और स्टाइलिश ज्वैलरी के साथ अपने लुक को कंप्लीट किया, कंगना ने इस बोल्ड अंदाज का वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है जिसमें वो कैमरे के सामने कॉन्फिडेंस के साथ पोज देती दिख रही हैं उनके लुक की खास बात थी उनकी डार्क ब्लू लिपस्टिक, जो पूरे आउटफिट के साथ परफेक्टली मैच करती नजर आई, उनके इस ग्लैमरस अवतार को देखकर फैंस दीवाने हो गए हैं और कमेंट बॉक्स में फायर और हार्ट इमोजी की बरसात हो रही है.

इस पोस्ट पर अब तक हजारों लाइक्स आ चुके हैं और लगातार लोग उनकी तारीफ करते नजर आ रहे हैं किसी ने उन्हें बोल्ड ब्यूटी कहा तो किसी ने गॉर्जियस बताकर उनके फैशन सेंस की सराहना की, कंगना शर्मा इससे पहले भी कई बार अपने ड्रेसिंग सेंस और स्टाइलिश लुक्स को लेकर सुर्खियों में रह चुकी हैं उनका ये लेटेस्ट अवतार यह साबित करता है कि वो हर इवेंट में अपने स्टाइल से चार चांद लगाना अच्छे से जानती हैं.

सुधीर बाबू का जटाधरा से फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज, सोनाक्षी सिन्हा हैं फिल्म की हीरोइन

अभिनेता सुधीर बाबू का आज 11 मई को जन्मदिन है। इस मौके पर सुधीर की आगामी फिल्म जटाधरा के मेकर्स ने उनके प्रशंसकों को तोहफा दिया है। फिल्म से सुधीर का लुक शेयर किया गया है। सोशल मीडिया पर पोस्टर जारी किया गया है। बता दें कि बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा भी जटाधरा में अहम भूमिका में नजर आएंगी।

फिल्म का पोस्टर जी स्टूडियोज साउथ के इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया गया है। इसके साथ लिखा है, सुधीर बाबू शिव के रूप में। समय से परे एक यात्रा। सुधीर बाबू को जन्मदिन की शुभकामनाएं। पोस्टर पर सुधीर बाबू आक्रामक अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म जटाधारा एक सुपरनेचुरल थ्रिलर फिल्म है जो प्राचीन रहस्यों पर आधारित है।

जी स्टूडियोज, उमेश केआर बंसल और प्रेरणा अरोरा द्वारा प्रस्तुत फिल्म जटाधारा में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में हैं। इनके अलावा शिल्पा शिरोडकर, इंदिरा कृष्णन, रवि प्रकाश, झांसी लक्ष्मी, सुभलेखा सुधाकर जैसे कलाकार भी इसका हिस्सा हैं। फिल्म का निर्माण शिविन नारंग और अरुणा अग्रवाल ने किया है। अक्षय केजरीवाल, दिव्या विजय और कुसुम अरोरा सह–निर्माता हैं। जटाधारा के जरिए सोनाक्षी साउथ में डेब्यू करने जा रही हैं। इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। 45 दिनों में शूट की गई यह फिल्म अब हैदराबाद में अपने अंतिम 10 दिनों के शेड्यूल में प्रवेश कर रही है। इसकी कहानी काफी दिलचस्प बताई जा रही है। फिल्म का निर्देशन वेंकट कल्याण कर रहे हैं। फिलहाल सुधीर बाबू को फैंस पोस्ट पर बधाई दे रहे हैं। साथ ही पोस्टर पर भी सकारात्मक प्रतिक्रिया आ रही है।

नरसिम्हा जयंती पर होम्बाले फिल्म्स ने पेश की महावतार नरसिम्हा का टीजर, रिलीज डेट से भी उठा पर्दा

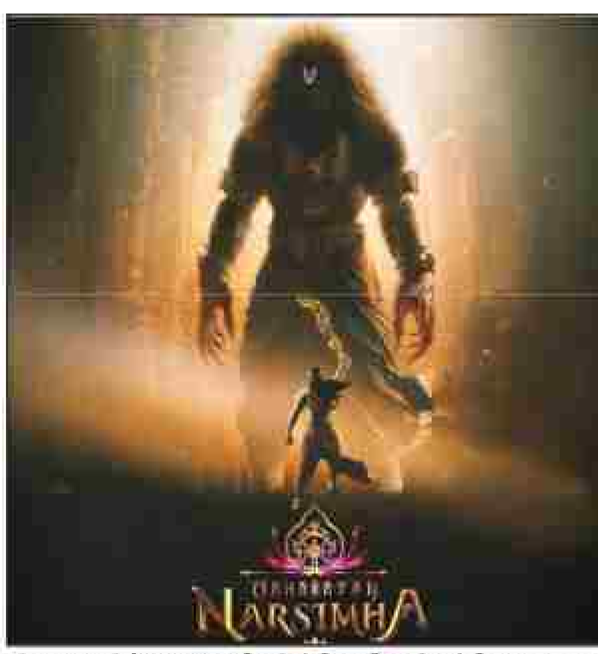

नरसिम्हा जयंती के शुभ अवसर पर होम्बाले फिल्म्स ने अपनी आगामी एनीमेटेड फिल्म महावतार नरसिम्हा की एक दिव्यझलकदर्शकों के साथ शेयर की। भगवान विष्णु के चौथे अवतार, नरसिम्हा, की यह कहानी भक्ति, साहस और अन्याय के विरुद्ध रक्षा के प्रतीक रूप मेंप्रस्तुत की गई है। इस फिल्म में उस ऐतिहासिक क्षण को दर्शाया जाएगा जब भगवान नरसिम्हा ने अपने भक्त प्रह्लाद की रक्षा के लिए हिरण्यकश्यपका वध किया। केजीएफ और कांतारा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्मों के लिए प्रसिद्ध होम्बाले फिल्म्स अब भारतीय पौराणिक कथाओं की ओर एक रचनात्मक कदमबढ़ारहा है। महावतार नरसिम्हा इस नई महावतार सीरीज की पहली कड़ी है, जिसे अश्विन कुमार के निर्देशन में बनाया जा रहा है और इसे क्लीम्प्रोडक्शंस प्रस्तुत कर रहा है। संगीत निर्देशक सैम सी.एस. इस फिल्म को एक आध्यात्मिक और भावनात्मक ऊंचाई देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहेहैं।

इस फिल्म की एक झलक पहले ही मकर संक्रांति (14 जनवरी 2025) पर जारी की जा चुकी थी, लेकिन अब इसे नरसिंह जयंती के धार्मिक महत्व सेजोड़कर एक नई ऊर्जा दी गई है। यह पर्व विशेषकर दक्षिण भारत में बड़ी श्रद्धा से मनाया जाता है, जहाँ तमिलनाडु के भागवत मेला जैसे पारंपरिकनाटकों के माध्यम से नरसिम्हा अवतार की कथा का मंचन किया जाता है। महावतार नरसिम्हा के माध्यम से होम्बाले फिल्म्स भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिकता और आधुनिक सिनेमा का अनूठा संगम प्रस्तुत कर रहा है। यहफिल्मन केवल बच्चों बल्कि हर उम्र के दर्शकों को भारत की महान कथाओं से जोड़ने का प्रयास है। आस्था और साहस की इस महाकाव्य यात्रा कीशुरुआतहो चुकी है कृ जो भक्तिभाव और रोमांच से भरपूर होगी। फर्स्ट पार्ट आगामी 25 जुलाई को रिलीज होगा.

क्या तरबूज में मिलावट है? इन 5 तरीकों से आसानी से लगाएं पता

गर्मियों के दौरान तरबूज का सेवन करना सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। यह शरीर को हाइड्रेट रखने के साथ–साथ कई पोषक तत्व भी प्रदान करता है।

हालांकि, आजकल बाजार में नकली और मिलावटी खाद्य पदार्थों की भरमार है, जिससे शुद्धता का पता लगाना मुश्किल हो गया है।

आइए आज हम आपको कुछ ऐसी आसान टिप्स देते हैं, जिनकी मदद से आप तरबूज में मिलावट है या नहीं, इसका पता लगा सकते हैं।

पानी में डालें: तरबूज में मिलावट का पता लगाने के लिए इसे पानी में डालें। अगर तरबूज पानी में तैरने लगे तो समझ जाइए कि इसमें मिलावट है। दरअसल, मिलावटी तरबूज की बनावट असली की तुलना में हल्की होती है, जिसके कारण ये पानी में तैरता है।

दूसरी ओर असली तरबूज अपनी भारी बनावट के कारण पानी में नहीं तैरता। इसलिए अगर तरबूज पानी में तैर जाए तो इसे खाने से बचें।

बीजों पर दें ध्यान: तरबूज के बीज भी इसकी शुद्धता का संकेत देते हैं।

अगर बीज सफेद और सपाट हैं तो समझ जाइए कि तरबूज असली है, लेकिन अगर बीज काले और कड़े हैं तो ये नकली है।

असली बीजों में कड़वाहट नहीं होती, जबकि नकली बीजों में यह समस्या होती है। इसलिए जब भी आप तरबूज खरीदने जाएं तो इस बात का खास ख्याल रखें ताकि आप मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से बच सकें।

स्वाद से पहचानें: तरबूज का स्वाद भी इसकी शुद्धता बताता है। अगर तरबूज खाने पर मीठा और ताजा लगता है तो यह असली है, लेकिन अगर इसका स्वाद कड़वा या बेस्वाद है तो समझ जाइए कि इसमें मिलावट हो सकती है। असली तरबूज हमेशा मीठा और ताजगी भरा होता है, जबकि नकली तरबूज का स्वाद ऐसा नहीं होता। इसलिए जब भी आप तरबूज खरीदें तो इसका स्वाद जरूर चखें ताकि आप मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से बच सकें।

छिलका उतारकर देखें: तरबूज के छिलके से भी इसकी शुद्धता का पता लगाया जा सकता है। अगर छिलका मोटा और हरा है तो यह असली है, लेकिन अगर छिलका पतला और पीला है तो इसमें मिलावट हो सकती है।

असली छिलके हमेशा मोटे और हरे रंग के होते हैं, जबकि नकली छिलकों का रंग ऐसा नहीं होता। इसलिए जब भी आप तरबूज खरीदें तो इसका छिलका जरूर देखें ताकि आप मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से बच सकें। खरीदारी करते समय इन बातों का रखें ध्यान: तरबूज खरीदते समय उसकी ताजगी और गुणवत्ता का ध्यान रखें।

बेहतर होगा कि आप बाजार से तरबूज खरीदने की बजाय उसे ऑनलाइन ऑर्डर करें क्योंकि इससे आपको शुद्ध और ताजा फल मिलेगा।

इसके अलावा स्थानीय बाजार से खरीदे गए तरबूज में मिलावट की संभावना कम होती है। इन तरीकों से आप आसानी से तरबूज की शुद्धता का पता लगा सकते हैं और मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से बच सकते हैं।

कार्यालय : नगर पंचायत- कपिलवस्तु, जनपद- सिद्धार्थनगर

अति अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत कपिलवस्तु, जनपद–सिद्धार्थनगर में मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना अन्तर्गत शासनादेश सं0–172/2024/644 नु0सं0न0 सु0सो0/9–2–2024–ई0–1677818, नगर विकास अनुभाग–2, दिनांक 28 दिसम्बर 2024 एवं सं0–261/2025/613सु0म0 न0सु0सो0/9–2–2025–ई0–1914643, नगर विकास अनुभाग–2, दिनांक 31 मार्च 2025 के क्रम में प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति की धनराशि से नगर पंचायत कपिलवस्तु जनपद सिद्धार्थनगर में निम्नलिखित निर्माण कार्य कराये जाने हेतु ई–निविदा प्रतिशत दर पर आमंत्रित की जाती है। निर्माण कार्य से संबंधित निविदा दिनांक 09.05.2025 से दिनांक 30.05.2025 तक आनलाईन वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर अपरान्ह 11:00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है। ई–निविदा व अन्य के संबंध में निविदादाता कार्यालय समय में किसी भी कार्यदिवस में विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उक्त निविदा दिनांक 30.05.2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे के बाद खोली जायेगी, जिसे संबंधित वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर देखा जा सकता है। जिसका विवरण निम्नवत है–

(A)	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा प्रकाशन की तिथि/समय	09.05.2025 अपरान्ह 04:00 बजे
(B)	वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा डाउनलोड की तिथि/समय	09.05.2025 अपरान्ह 04:00 बजे से
(C)	वेबसाइट पर ऑनलाइन निविदा/बिड अपलोड की तिथि/समय	09.05.2025 सायं 05:00 बजे से
(D)	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा/बिड अपलोड की अन्तिम तिथि/समय	30.05.2025 पूर्वान्ह 11:00 बजे तक
(E)	ई–प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि/समय	30.05.2025 पूर्वान्ह 11:00 बजे के बाद

अधिशासी अधिकार
नगर पंचायत कपिलवस्तु
सिद्धार्थनगर

अध्यक्ष
नगर पंचायत कपिलवस्तु
सिद्धार्थनगर

पत्रांक– 73(I)/न.प.क.वि.सि.नगर/2025–26 । दिनांक 09/05/2025